राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण मंगलवार 08 जुलाई 2025 वर्ष-8,अंक-139 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

पीएम मोदी का ब्रिक्स मंच से आतंकवाद पर कड़ा संदेशः दोहरे मापदंड बर्दाश्त नहीं होंगे

पहलगाम हमले का हवाला देकर पाकिस्तान पर सीधा निशाना

रियो डी जनेरियो।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्राजील के रियो डी जनेरियो में आयोजित 17वें ब्रिकस शिखर सम्मेलन में आतंकवाद पर जोरदार हमला बोला और दोहरे मापदंडों को सिरे से खारिज किया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अगर कोई देश आतंकवाद का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से समर्थन करता है, तो उसे इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सख्त संदेश देते हुए कहा, कि आतंकवाद मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा है। हाल ही में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में जो अमानवीय और कायराना हमला हुआ, वह मानवता पर हमला था। ऐसी घटनाओं पर चुप्पी या समर्थन को कतई बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। उन्होंने ब्रिक्स के पीस एंड सिक्योरिटी एंड रिफॉर्म ऑफ ग्लोबल गवर्नेंस सत्र में कहा, दोहरे मापदंडों की कोई जगह नहीं होनी चाहिए। आतंकवादियों पर प्रतिबंध लगाने में हिचक नहीं होनी चाहिए। जो देश आतंकवाद को पनाह देते हैं, उन्हें अंतरराष्ट्रीय बिरादरी में जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए।

शांति नीति को भी रखा सामने

प्रधानमंत्री मोदी ने भारत की नीति स्पष्ट करते हुए कहा, कि भारत महात्मा गांधी और गौतम बुद्ध के सिद्धांतों से प्रेरित होकर शांति के मार्ग पर चलता रहेगा, चाहे परिस्थितियां कैसी भी हों।

ब्रिक्स ने की पहलगाम हमले की निंदा

ब्रिक्स के सभी सदस्य देशों ने भी 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़े शब्दों में निंदा की। हमले में 26 लोगों की मौत और कई घायल हुए थे। संयुक्त बयान में कहा गया, कि हम आतंकवाद के हर स्वरूप की निंदा करते हैं। आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई जाए और दोहरे मानदंडों को खारिज किया जाए। आतंकियों को पनाह देने और उन्हें फंडिंग देने वालों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

ब्रिक्स मंच से पीएम मोदी का यह बयान ऐसे समय में आया है जबकि पाकिस्तान पर सीमापार आतंकवाद को लेकर अंतरराष्ट्रीय दबाव बढ़ रहा है। इस अंतर्राष्ट्रीय मंच पर यह रुख दर्शाता है कि भारत आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक सहमति बनाने में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। संयुक्त बयान में भारत के दृष्टिकोण को समर्थन मिलने से उसकी कूटनीतिक सफलता भी मानी जा रही है।

राणा ने उगले कई राज, हमले से पहले मुंबई के कई स्थानों की रेकी की थी

जैश और आईएसआई के बीच गहरे सांठ-गांठ का किया खुलासा

मुंबई।

मुंबई हमले का साजिशकर्ता तहव्वुर हुसैन राणा ने पूछताछ में सनसनीखेज खुलासे किए हैं। राणा ने खुलासा किया है कि उसके सहयोगी डेविड कोलमैन हेडली ने लश्कर-ए-तैयबा के साथ कई आतंकी प्रशिक्षण सत्रों में हिस्सा लिया था, जो मुख्य रूप से एक जासूसी नेटवर्क के रूप में काम करता था। मुंबई पुलिस क्राइम ब्रांच ने राणा के बयान दर्ज किए हैं, जिसमें उसने स्वीकार किया कि उसने 2008 के हमले से पहले मुंबई के कई अहम स्थानों की रेकी की थी। राणा ने अपने इमिग्रेशन बिजनेस के जरिए हेडली को मुंबई में एक फर्जी ऑफिस खोलने में मदद की थी, जिसका इस्तेमाल हमले की साजिश रचने के लिए किया गया था। मीडिया रिपोर्ट में एनआईए सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि राणा ने लश्कर-ए-तैयबा और पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के बीच गहरे सांठगांठ की बात उजागर की है। एनआईए ने राणा को 18 दिन की हिरासत में लेकर गहन पूछताछ शुरू की है, जिसमें उसके और हेडली के बीच ईमेल, यात्रा रिकॉर्ड और अन्य सबूतों का विश्लेषण किया जा रहा है। राणा पर आपराधिक साजिश, हत्या, आतंकवादी कृत्य और जालसाजी जैसे गंभीर आरोप हैं। एनआईए ने कहा कि राणा की पूछताछ से हमले के पीछे की व्यापक साजिश का खुलासा हो सकता है, जिसमें दिल्ली समेत अन्य शहरों को निशाना बनाने की योजना थी। पूर्व लोक अभियोजक उज्ज्वल निकम ने कहा कि राणा का प्रत्यर्पण पाकिस्तान के सुरक्षा तंत्र की संलिप्तता को उजागर करने में अहम साबित होगा। यह भारत के लिए एक बड़ी कूटनीतिक जीत है, जो 166 लोगों की जान लेने वाले इस हमले के दोषियों को न्याय के कटघरे में लाने की दिशा में एक कदम है।

पुणे स्टेशन पर महात्मा गांधी की प्रतिमा पर कुल्हाड़ी से हमला, आरोपी गिरफ्तार

कांग्रेस ने जताया विरोध, शहर में आक्रोश का माहौल

पुणे।

पुणे शहर के मुख्य रेलवे स्टेशन के सामने स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा पर रविवार मध्य रात्रि एक व्यक्ति द्वारा कुल्हाड़ी जैसे धारदार हथियार से हमला किए जाने की घटना से हड़कंप मच गया। आरोपी की पहचान सूरज शुक्ला, निवासी वाराणसी, उत्तर प्रदेश के रूप में हुई है, जो पिछले डेढ़ महीने से पुणे में रह रहा था और रुद्राक्ष की माला बेचकर जीविकोपार्जन कर रहा था। पुलिस के अनुसार, घटना के समय आरोपी के हाथ में एक कुल्हाड़ी जैसी कोई चीज थी, जिससे उसने प्रतिमा को नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि सूरज शुक्ला अचानक प्रतिमा वाले चबूतरे पर चढ़ गया और उसे क्षतिग्रस्त करने लगा। मौके पर मौजूद लोगों ने तत्परता दिखाते हुए उसे पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। इस मामले पर पुणे पुलिस उपायुक्त (जोन-2) मिलिंद मोहिते का कहना था कि शुरुआती जांच में ऐसा प्रतीत हो रहा है कि आरोपी की मानसिक स्थिति सामान्य नहीं है। हालांकि, उसने जानबूझकर प्रतिमा को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की है। पुलिस अब आरोपी की मानसिक स्थिति की जांच के लिए मेडिकल परीक्षण कराने की प्रक्रिया में है। पुलिस ने सूरज शुक्ला के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। कुल्हाड़ी जब्त कर ली गई है और उससे पूछताछ की जा रही है। वहीं, शहर में सामाजिक संगठनों और गांधीवादी विचारधारा से जुड़े लोगों में रोष है और उन्होंने कड़ी कार्रवाई की मांग की है। महात्मा गांधी की प्रतिमा पर किए गए हमले की कांग्रेस पार्टी ने कड़ी निंदा की है। पुणे कांग्रेस के अध्यक्ष अरविंद शिंदे ने कहा कि यह हमला राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के सम्मान और मूल्यों पर सीधा हमला है।

डीआरडीओ के सम्मलेन में रक्षा मंत्री सिंह, इतना बड़ा रक्षा बाजार हमारा इंतजार कर रहा

हमारा रक्षा बजट कई देशों की सकल घरेलू उत्पाद से भी बड़ा

नई दिल्ली।

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने डीआरडीओ द्वारा आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कया। इस मौके पर रक्षा मंत्री राजनाथ ने कहा कि अगर आप हमारे रक्षा बजट का असर की गणना करे तब यह दुनिया के कुछ देशों के सकल घरेलू उत्पाद से भी बड़ा है। जब लोगों की मेहनत की कमाई का एक बड़ा हिस्सा रक्षा मंत्रालय को आवंटित होता है, तब हमारी जिम्मेदारी कई गुना बढ़ जाती है। हमें प्रभावी विकास की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि हमारा रक्षा व्यय ऐसा होना चाहिए कि न केवल बजट बढ़े, बल्कि हम इसका सही तरीके से उपयोग भी कर सकें, सही समय पर सही उद्देश्य के लिए उचित तैनाती के ज़रिए। रक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि रक्षा अधिग्रहण परिषद ने पहली बार जेएम पोर्टल से पूंजीगत खरीद की अनुमति दी है, यह एक सराहनीय कदम है। मुझे बताया गया है कि विभाग रक्षा कर्मियों के लिए व्यापक वेतन प्रणाली और केंद्रीकृत डेटाबेस प्रबंधन पर काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में दुनिया हमारे रक्षा क्षेत्र की ओर देख रही है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमारे सैनिकों ने जो पराक्रम दिखाया है, साथ ही जिस तरह से हमने अपने घरेलू उपकरणों की ताकत दिखाई है, उससे हमारे स्वदेशी रक्षा उत्पादों की मांग में वृद्धि हुई है। 2024 में विश्व सैन्य व्यय बढ़कर 2.7 ट्रिलियन डॉलर से अधिक हो गया है, इतना बड़ा रक्षा बाजार हमारा इंतजार कर रहा है। रक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि मुझे ऐसा लगता है कि हमारे विभाग की जिम्मेदारी सिर्फ कागजों पर हिसाब-किताब रखने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह देश के सुरक्षा ढांचे का एक अहम हिस्सा है। जब आप अपना काम ईमानदारी और क्षमता के साथ करते हैं, तब उसका असर सीमा पर तैनात जवानों तक होता है। उन्हें भरोसा होता है, कि उनके पीछे एक मजबूत व्यवस्था है, जो हर परिस्थिति में उनका साथ देगी। उन्होंने कहा कि रक्षा लेखा विभाग का नया आदर्श वाक्य ही अपने आप में बहुत कुछ कह देता है। अब इस संस्थान का आदर्श वाक्य- सतर्क, चुस्त, अनुकूल है। ये शब्द अपने आप में आपके कार्य संस्कृति का सार है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि किसी भी संगठन में, परिवर्तनकारी सुधार लाने के दो तरीके होते हैं। कई बार हम देखते हैं, कि कई संगठन, बाहरी रिपोर्ट के माध्यम से इस कार्य को करते हैं। जिसमें कई बार परामर्शदाता कंपनियाँ की भी मदद ली जाती है। कई बार कुछ सेवानिवृत्त वरिष्ठ अधिकारी को यह जिम्मेदारी सौंपी जाती है। यह एक अच्छी बात है, इससे कई बार कुछ नए ताज़ा विचार इन संस्थानों में आते हैं, और इनकी उत्पादकता निश्चित रूप से बढ़ती है।

अब भारत लाया जा सकेगा खालिस्तानी आतंकी हैप्पी पासिया, राष्ट्रीय जांच एजेंसी के लिए बड़ी कामयाबी

जाने पासिया गांव से क्या हैं संबंध

नई दिल्ली।

खालिस्तानी आतंकी हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी पासिया को अमेरिका के सैक्रामेंटो में गिरफ्तार करने के बाद भारत लाने की प्रक्रिया भी शुरु कर दी गई है। आतंकी पासिया पर पांच लाख रुपये का इनाम घोषित था। उसकी गिरफ्तारी को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को एक बड़ी कामयाबी मानी जा रही है। आंतकी हरप्रीत पासिया को गिरफ्तार करने के साथ ही भारत लाया जा रहा है। पंजाब पुलिस और केंद्रीय एजेंसियों ने अमेरिकी अधिकारियों के साथ लगातार खुफिया जानकारी साझा कर उसकी गतिविधियों पर नजर रखी थी। एनआईए ने चंडीगढ़ में सितंबर 2024 में हुए ग्रेनेड हमले के सिलसिले में उस पर 5 लाख रुपये का इनाम रखा था। यह हमला एक सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी के घर पर किया गया था। हैप्पी पासिया की आतंकी गतिविधियों का सिलसिला लंबा है। हैप्पी पासिया को 17 अप्रैल को अमेरिका में एफबीआई और इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट की संयुक्त कार्रवाई में हिरासत में लिया गया था। वह अब दिल्ली हवाई अड्डे के रास्ते भारत लाया जा रहा है। हैप्पी पासिया पर पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और खालिस्तानी आतंकी संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल के साथ मिलकर पंजाब में कई आतंकी वारदातों को अंजाम देने का आरोप है। हैप्पी पासिया अमृतसर के पासिया गांव का रहने वाला है। उसने शुरू में जग्गू भगवानपुरिया गैंग के साथ काम किया और बाद में पाकिस्तान स्थित आतंकी हरविंदर सिंह उर्फ रिंदा के साथ जुड़ गया। दोनों ने मिलकर पंजाब में आतंक और उगाही का नेटवर्क खड़ा किया, जिसमें शराब ठेकेदारों, कारोबारियों और हिंदू नेताओं को निशाना बनाया गया। एनआईए ने उसके खिलाफ गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत चार्जशीट दाखिल की है। हैप्पी पासिया की गिरफ्तारी को पंजाब पुलिस ने आईएसआई समर्थित आतंकी नेटवर्क के खिलाफ बड़ी सफलता बताया है। अब भारत और अमेरिका के बीच प्रत्यर्पण प्रक्रिया तेजी से चल रही है। यह कदम भारत-अमेरिका आतंकवाद विरोधी सहयोग को और मजबूत करता है।

बिहार में वोटर लिस्ट को लेकर सिब्बल ने दी दलील, सुप्रीम कोर्ट सुनवाई को राजी

नई दिल्ली।

बिहार में विधानसभा चुनाव से ठीक पहले चुनाव आयोग की ओर से वोटर लिस्ट के पुनरीक्षण अभियान को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट 10 जुलाई को सुनवाई करेगा। इसको लेकर कपिल सिब्बल ने चुनाव आयोग के इस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट से जल्द सुनवाई करने की मांग की थी।

सिब्बल ने सुप्रीम कोर्ट में दलील दी कि चुनाव आयोग का यह फैसला न केवल समय के लिहाज से संवेदनशील है, बल्कि इसकी कानूनी वैधता भी शक के दायरे में है।

कोर्ट ने पूछा कि बिहार में विधानसभा चुनाव कब होने वाले हैं, जिसके जवाब में कहा गया कि चुनाव इसी साल के अंत में होना है। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई 10 जुलाई तय की।

बिहार की मुख्य विपक्षी पार्टी आरजेडी, टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा, सामाजिक कार्यकर्ता योगेंद्र यादव और चुनाव सुधारों के लिए काम करने वाले संगठन एडीआर ने इस मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि चुनाव आयोग का यह फैसला लाखों गरीब, महिला और प्रवासी मतदाताओं को वोटिंग प्रक्रिया से बाहर कर सकता है। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि यह फैसला मनमाना और असंवैधानिक है, जिससे मताधिकार से वंचित होने का खतरा है।

विपक्षी दलों के गठबंधन ने भी इस मुद्दे को गंभीरता से उठाया और चुनाव आयोग से मुलाकात कर इस फैसले को वापस लेने की मांग की। हालांकि आयोग ने उनकी मांगों को ठुकरा दिया था और कहा था कि पुनरीक्षण प्रक्रिया चुनावी पारदर्शिता के लिए जरूरी है। इस बीच वोटर लिस्ट के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को लेकर निर्वाचन आयोग ने 11 दस्तावेजों की सूची जारी की है, जिनमें से कोई एक दस्तावेज बीएलओ को देना है।

बिहार पीआईबी ने एक्स पर एक वीडियो साझा किया है, जिसमें कहा गया है कि लोगों को सोचने से तो रोक नहीं सकते हैं, लेकिन लोगों की सोच बदलने की कोशिश जरूर कर सकते हैं। तो सोच बदलिए, भ्रम छोड़िए। 11 दस्तावेजों में से कोई एक दस्तावेज अपने बीएलओ को दीजिए।

कोटा में कांग्रेस पार्षदों का दंडवत यात्रा आंदोलन

कोटा।

कोटा में कांग्रेस समर्थित पार्षदों ने भाजपा सरकार पर वार्डों के विकास कार्यों और बजट में भेदभाव का आरोप लगाकर आंदोलन शुरू किया है। कोटा दक्षिण निगम के उपमहापौर पवन मीणा के नेतृत्व में पार्षदों ने नगर निगम से एसी गणेश मंदिर तक करीब डेढ़ किलोमीटर दंडवत करते हुए यात्रा की। उपमहापौर मीणा ने कहा कि जब से राजस्थान में भाजपा सरकार आई है, कांग्रेस समर्थित वार्डों में जानबूझकर विकास कार्यों में देरी की जा रही है, जबकि भाजपा पार्षदों के वार्डों में टेंडर और वर्क ऑर्डर जारी हो चुके हैं। उन्होंने मांग की है कि कांग्रेस पार्षदों के वार्डों को भी समान बजट आवंटित करे और वर्क ऑर्डर तुरंत जारी किए जाएं। उन्होंने अधिकारियों पर भी भाजपा सरकार के इशारे पर काम करने का आरोप लगाया। उन्होंने यह भी कहा कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होंगी, उनका आंदोलन जारी रहेगा।

बाड़मेर में 18 बीघा में सफेद चंदन की खेती कर किसान ने नवाचार की मिसाल पेश की

एक पौधा करीब 4-5 लाख रुपए में बिकता

बाड़मेर।

रेगिस्तान में अनार, खजूर, अंजीर के बाद अब चंदन की खेती को लेकर भी किसानों से नवाचार पेश कर दिया हैं। बाड़मेर जिले में भीमडा में एक डॉक्टर ने 18 बीघा में सफेद चंदन के 900 पौधों की खेती की है। सफेद चंदन परजीवी पौधा है, इस पनपाने के लिए आसपास घना जंगल जरूरी होता है। इसके लिए बड़े स्तर पर चंदन के पौधे के आसपास केजुरिना, खेजड़ी, आंवला, नींबू, अमरूद, अंजीर व मालबार नाम के सैकड़ों पौधे लगाए हैं। चंदन आसपास के पौधों की जड़ से ही पानी और भोजन लेता है। इसके लिए आसपास होस्ट प्लांट तैयार किया गया है। किसान भगवानाराम सारण के बेटे जोगेश ने बताया कि भीमडा के रतनाली नाडी के पास लगे चंदन के 400 पौधे 5-6 फीट तक हाइट में हैं। चंदन के पौधे को पनपाने के लिए आसपास केजुरिना के 500, खेजड़ी के 100, आंवले के 500, नींबू के 100, अमरूद के 50, अंजीर के पौधे लगाए गए है। इसके अलावा बाउंड्री पर 700 मालबार नीम के पौधे लगाए गए है, जो करीब 30-35 फीट से ज्यादा लंबे है। सफेद चंदन का पौधा 14 साल बाद बेचने लायक होता है। एक पौधा करीब 4-5 लाख रुपए में बिकता है। करीब 20-25 साल में चंदन के पेड़ की कीमत 5 से 35 लाख रुपए प्रति टन तक होती है। एक किलो लकड़ी की कीमत 5 से 35 हजार रुपए किलो तक होती है। इसके बाद करोड़ों रुपए की कमाई की जा सकती है।

कॉर्पोरेट स्टाइल में राजनीति करेंगे मस्क, टेस्ला सीएफओ वैभव को सौंपी पार्टी के खजाने की चाबी

वॉशिंगटन।

टेक्नोलॉजी और इनोवेशन की दुनिया में बड़ा नाम कमा चुके अरबपति एलन मस्क ने अब सियासत में बड़ी छलांग लगाई है। वे अमेरिका की राजनीति में भी उसी कॉरपोरेट सोच के साथ कदम रख रहे हैं।

हाल ही में मस्क ने अमेरिका पार्टी नाम से एक नई राजनीतिक पार्टी की घोषणा की, जिसका मकसद अमेरिका की दो-दलीय राजनीति को चुनौती देना है।

इस पार्टी के एफईसी फॉर्म (रजिस्ट्रेशन दस्तावेज) में सबसे खास नाम सामने आया है भारतवंशी वैभव तनेजा का। इस वक्त तनेजा टेस्ला के चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर (सीएफओ) हैं। उन्हें मस्क ने पार्टी का ट्रेजरार और कस्टोडियन ऑफ रिकॉर्ड नियुक्त किया है यानी पार्टी के खजाने की चाबी थमा दी है।

यह कदम इस ओर इशारा करता है कि एलन मस्क पार्टी को कॉरपोरेट मैनेजमेंट के तरीके से चलाना चाहते हैं जहां पारदर्शिता, फाइनेंशियल डिसिप्लिन और प्रोफेशनल मैनेजमेंट को प्रायोरिटी दी जाती है।

दुनियाभर में भारतवंशियों का डंका बज रहा है। दुनिया की बड़ी-बड़ी कंपनियों में बड़े पदों की कमान भारतवंशी संभाल रहे हैं। इसी कड़ी में दिल्ली यूनिवर्सिटी के ग्रेजुएट वैभव तनेजा पर एलन मस्क लगातार भरोसा जता रहे हैं।

पहले मस्क ने वैभव को अपनी कंपनी टेस्ला के सीएफओ की जिम्मेदारी सौंपी और अब अपनी पार्टी का ट्रेजरार और कस्टोडियन ऑफ रिकॉर्ड बनाया है। वैभव तनेजा के लिंक्डइन प्रोफाइल के मुताबिक, उन्होंने दिल्ली यूनिवर्सिटी से कॉमर्स में ग्रैजुएशन किया है।

उन्होंने सीए की भी पढ़ाई की है। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत प्राइवॉटरहाउसकूपर्स में बतौर असिस्टेंट मैनेजर ज्वाइन किया था। उनके पास अकाउंटिंग के क्षेत्र में 2 दशक से भी ज्यादा का अनुभव है। उन्होंने 2017 में टेस्ला ज्वाइन किया था। वैभव सोलरसिटी में वाइस प्रेसिडेंट के पद पर काम कर चुके हैं। टेस्ला ने 2016 में इस कंपनी का अधिग्रहण किया था। भारत में टेस्ला के विस्तार और ऑपरेशन की जिम्मेदारी भी वैभव तनेजा के हाथ में है। तनेजा को जनवरी 2021 में टेस्ला की भारतीय इकाई टेस्ला इंजिया मोटर्स एंड एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड का डायरेक्टर भी नियुक्त किया गया था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुशासन में सरे आम अपराधियों का तांडव

लोकसभा चुनाव में वैश्य समाज का एक वर्ग महागठबंधन के साथ जा जुड़ा था। सुशासन की सरकार पर सवालिया निशान खड़ा कर रहे हैं। पटना के राजेन्द्र नगर स्थित मगध हॉस्पिटल के मालिक और राज्य के प्रमुख व्यवसायी गोपाल खेमका की 4 जुलाई, को अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। जहां हत्या हुई है, उस स्थल से गांधी मैदान थाने महज ढाई सौ मीटर की दूरी पर है। आसपास ही पुलिस अधीक्षक और वरीय पुलिस अधीक्षक के आवास हैं। बावजूद इसके अपराधी हत्या कर चलते बने। हद तो ये है कि घटनास्थल पर स्थानीय पुलिस डेढ़ घंटे बाद पहुंची।

(लेखक - कुमार कृष्णन)

अपने बिहार दौरे में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जिस जंगलराज के बहाने महागठबंधन को घेरने की कोशिश की, वह उलट सावित हो रहा है। अब लोग सवाल कर रहे हैं कि यदि सुशासन में सरे आम अपराधी तांडव कर रहे हैं, तो फिर जंगल राज क्या है? महागठबंधन का नेतृत्व कर रहे तेजस्वी यादव पहले से ही अपराध बुलेटिन जारी कर सुशासन की पोल खोलकर सरकार के विरुद्ध गोलबंदी की मुहिम छेड़ दी है । ऐसे में गोपाल खेमका समेत कई व्यवसाई की हत्या के बाद नाराज वैश्य समाज सुशासन की सरकार के विरुद्ध खड़ा हो जाए तो यह अतिश्योक्ति नहीं होगी।

लोकसभा चुनाव में वैश्य समाज का एक वर्ग महागठबंधन के साथ जा जुड़ा था। सुशासन की सरकार पर सवालिया निशान खड़ा कर रहे हैं। पटना के राजेन्द्र नगर स्थित मगध हॉस्पिटल के मालिक और राज्य के प्रमुख व्यवसायी गोपाल खेमका की 4 जुलाई, को अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। जहां हत्या हुई है, उस स्थल से गांधी मैदान थाने महज ढाई सौ मीटर की दूरी पर है। आसपास ही पुलिस अधीक्षक और वरीय पुलिस अधीक्षक के आवास हैं। बावजूद इसके अपराधी हत्या कर चलते बने। हद तो ये है कि घटनास्थल पर स्थानीय पुलिस डेढ़ घंटे बाद पहुंची।

व्यवसायी गोपाल खेमका के पहले गत जून माह में ही पुनपुन के सुहागी-कंडाप पथ पर बाइक सवार बदमाशों ने जमीन कारोबारी अंजनी सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी थी। यह घटना गौरीचक के कंडाप पैक्स गोदाम के पास की है, जहां सुनसान जगह का फायदा उठाकर अपराधियों ने वारदात को अंजाम दिया। मृतक हंडेर गांव के श्याम नंदन सिंह के पुत्र थे और जमीन के कारोबार से जुड़े थे। कारोबारी जयप्रकाश नारायण की भी गत वर्ष अपहरण कर हत्या कर दी गई थी। आरोप यह था कि अपराधियों ने कारोबारी जयप्रकाश से 1.5 करोड़ रुपये की फिरौती मांगी थी। जब पैसा नहीं मिला तो उनकी हत्या कर दी गई।

बेगूसराय में अक्टूबर 2024 को सोना व्यापारी अनिल कुमार की अपहरण कर हत्या कर दी गई। अनिल कुमार ज्योति ज्वेलर्स के मालिक थे। जून 2024 में ही बिहार के नालंदा जिले के पनहेस्सा गांव के पास दो बाइक सवार बदमाशों ने जमीन कारोबारी को गोलियों से छलनी कर दिया। उन्हें चार गोलियां मारी गयीं। इलाज के लिए ले जाने के दौरान उनकी मौत हो गयी। मृतक की पहचान पनहेस्सा गांव निवासी 42 वर्षीय रजी अहमद उर्फ नन्हे के रूप में की गयी। इस हत्या का कारण भी जमीन की खरीद-बिक्री के कारोबार बताया गया।

इस घटना के बाद बिहार में कानून व्यवस्था को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक समीक्षा बैठक की। नीतीश कुमार ने कहा कि अपराधियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

गोपाल खेमका हत्याकांड को लेकर हुई समीक्षा बैठक में मुख्य मंत्री नीतीश कुमार के साथ पुलिस के बड़े अधिकारी भी शामिल थे। नीतीश कुमार ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि वे अपराधियों को जल्द से जल्द पकड़ें और उन्हें कड़ी सजा दें।

1 अणे मार्ग स्थित 'संकल्प' में पुलिस महानिदेशक एवं अन्य वरीय पुलिस पदाधिकारियों के साथ विधि व्यवस्था की समीक्षा बैठक की। विधि व्यवस्था सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। अपराध करने वाले कोई भी हों, उन्हें किसी कीमत पर बख्शा नहीं जाए। घटित आपराधिक घटनाओं के अनुसंधान कार्यों में तेजी लाने और दोषियों पर त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। कानून व्यवस्था को बनाए रखने के लिए पुलिस और प्रशासन को पूरी मुस्तैदी एवं कड़ाई से काम करने को कहा।

एनडीए में नीतीश के सहयोगी चिराग पासवान की पार्टी लोजपा (आर) के खगड़िया से सांसद राजेश वर्मा ने भी सवाल खड़े कर दिए हैं। उन्होने कहा कि जिस तरह गोपाल खेमका की हत्या को अंजाम दिया गया। उससे लगने लगा है कि राज्य में अपराधियों को पुलिस का कोई खौफ नहीं है। कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त है। बिहार में व्यापारी सुरक्षित नहीं है।

लोजपा (आर) के सांसद राजेश वर्मा ने कहा कि खेमका परिवार में ये दूसरी हत्या है, इससे पहले 2018 में गोपाल खेमका के बेटे गुंजन की हत्या भी इसी तरह की गई है। बिहार को आगे बढ़ाने की सोच रखने वाला वैश्य समाज भी सुरक्षित नहीं है। हाथ जोड़कर आग्रह करते हुए सांसद ने कहा कि सबसे पहले बिहार में व्यापारी वर्ग की सुरक्षा पुख्ता की जाए। अगर आप बिहार में उद्योग-धंधे लगाने की बात करते हैं। यही नहीं कानून व्यवस्था में सुधार के लिए पड़ोसी राज्य यूपी का हवाले देते हुए लोजपा (आर) के सांसद ने कहा कि यूपी से भी सीख सकते हैं कि कैसे लॉ एंड ऑर्डर को दुरूस्त किया जा सकता है। अपराधियों को उन्हीं की भाषा में जवाब देने का वक्त आ गया है। आज गोपाल खेमका नहीं तो कल कोई और होगा।

बिहार में कानून-व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त; चिराग के सांसद राजेश का नीतीश सरकार पर सीधा हमला

विपक्षी पार्टियां सरकार पर हमला कर रही हैं। उनका कहना है कि बिहार में कानून का राज खत्म हो गया है। नीतीश कुमार को इस्तीफा दे देना चाहिए।

इस घटना के बाद बिहार की राजनीति भी गरमा गई है। कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार ने सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि खेमका परिवार ने घटना के बाद वरीय पुलिस अधीक्षक, पुलिस उपाधीक्षक और स्थानीय थाने में फोन किया, लेकिन किसी ने फोन नहीं उठाया। इसके बाद जिला मजिस्ट्रेट को फोन किया गया, जिन्होंने फोन उठाया। उन्हें बताया गया कि पुलिस जवाब नहीं दे रही है और उन्हें मदद की ज़रूरत है।

राजेश कुमार ने आरोप लगाते हुए आगे कहा कि जिला मजिस्ट्रेट को फोन करने के तीन घंटे बाद पुलिस पहुंची। उन्होंने नीतीश कुमार के शासन को बीमार बताया और मांग की कि नीतीश कुमार और राजग गठबंधन को इस मुद्दे पर इस्तीफा देना चाहिए। उन्होंने पीड़ित परिवार को सुरक्षा देने की भी मांग की।

वहीं पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने भी कानून व्यवस्था के मुद्दे पर सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि पटना में थाने से कुछ ही कदम दूर, बिहार के एक प्रमुख व्यापारी की गोली मारकर हत्या कर दी गई! उन्होंने सवाल उठाया कि बिहार में हर महीने सैकड़ों व्यापारियों की हत्या की जा रही है, लेकिन इसे जंगल राज क्यों नहीं कहा जा सकता? उन्होंने मीडिया मैनेजमेंट और परसेप्शन मैनेजमेंट पर भी सवाल उठाए। तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार में हर महीने सैकड़ों व्यापारियों की हत्या की जा रही है, लेकिन हम इसे जंगल राज नहीं कह सकते? क्योंकि यही तो शास्त्रों में मीडिया मैनेजमेंट, परसेप्शन मैनेजमेंट और इमेज मैनेजमेंट कहते हैं। जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने भी इस मामले पर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि लालू यादव के जंगल राज और नीतीश कुमार के राज में कोई अंतर नहीं है। लालू यादव के राज में अपराधियों का तांडव था और नीतीश कुमार के राज में अधिकारियों का तांडव है। उन्होंने कहा कि पहले जिस तरह का भ्रष्टाचार और कानून-व्यवस्था की स्थिति थी, वह आज भी वैसी ही है।

प्रशांत किशोर ने कहा कि पटना में इतने बड़े व्यवसायी की गोली मारकर हत्या कर दी जाती है और कोई कार्रवाई नहीं होती। उन्होंने सीवान में हुई तीन लोगों की हत्या का भी जिक्र किया और कहा कि यह रोज की बात है। उन्होंने इसे अधिकारियों का राज बताया, जो अपनी मर्जी से काम चला रहे हैं। प्रशांत किशोर ने कहा, लालू यादव के राज में अपराधियों का तांडव था और नीतीश कुमार के राज में अधिकारियों का तांडव है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

भाषाई दुराग्रह

हमारी राजनीति का स्तर कितना नकारात्मक व अवसरवादी हो चला है कि महाराष्ट्र में हिंदी विरोध को राजनीति साधने का अस्त्र बना लिया गया। विडंबना यह है कि जिस राज्य से सारे देश को एकता के सूत्र में पिरोने की सामाजिक सांस्कृतिक मुहिम संघ द्वारा चलायी जा रही है, उसी राज्य से राष्ट्र की संपर्क भाषा के खिलाफ भाषायी कट्टरपंथ को हवा दी जा रही है। विसंगति देखिए कि मराठी भाषा के नाम पर राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे बीस साल बाद एक मंच पर एकजुट हुए हैं। कहा जा रहा है कि महाराष्ट्र में हिंदी विरोध पर 'भरत मिलाप' हुआ है। कभी हिंदी विरोध के जो सुर तमिलनाडु में सुनायी देते थे, वे अब महाराष्ट्र में भी तेजी से मुखर हो रहे हैं। मुंबई को भारत की आर्थिक राजधानी कहा जाता है, जिसमें योगदान देने के लिये उत्तर भारत के राज्यों के तमाम लोगों योगदान देते हैं। जहां बनने वाली हिंदी फिल्में इस राज्य की समृद्धि का आधार रही हैं। उसी राज्य में हिंदी बोलने वालों लोगों से मारपीट तक के मामले प्रकाश में आ रहे हैं। निश्चय ही ये भारत की संघीय अवधारणा की जड़ों पर प्रहार ही है। निश्चय रूप से इस सोच के मूल में भाजपा के राजनीतिक वर्चस्व को तोड़ना और मुंबई नगर निगम व राज्य की सत्ता पर काबिज होने की महत्वाकांक्षा ही है। लेकिन यह सोच राष्ट्रीय एकता व भाषायी सद्भाव को पलीता लगाने का ही कुत्सित प्रयास है। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि आजादी के सात दशक बाद भी देश में जनता को विकास व तार्किक मुद्दों के बजाय संकीर्ण अस्मिता के नाम पर बरगलाया जा रहा है। उन मुद्दों को हवा दी जा रही है जिनके बूते महाराष्ट्र में शिव सेना अस्तित्व में आयी। विडंबना यही है कि ऐसे तत्वों को यदि राजनीतिक मंसूबे पूरा करने में सफलता मिलती है तो इसका नकारात्मक संदेश पूरे देश में जाएगा। बहुत संभव है कि देश के अन्य राज्यों में भी ऐसी संकीर्ण भाषायी विरोध की राजनीति मुखर होने लगे। जो राष्ट्रीय एकता व सद्भाव के लिये एक बड़ी चुनौती होगी। निस्संदेह, भारतीय लोकतंत्र की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि राजनीतिक दल सकारात्मक मुद्दों व विकास की प्राथमिकताओं को अपना एजेंडा बनाएं। दरअसल, सकारात्मक राजनीति में हाशिये पर गए दल ही सफलता के शॉर्टकट के रूप में ऐसे भावनात्मक मुद्दों को हवा देकर अपना उल्लू सीधा करते हैं। आज पूरी दुनिया विज्ञान की क्रांति व अभिव्यक्ति के तकनीकी विकास से एकजुट हो रही है, वहीं हम भाषीय संकीर्णताओं में उलझकर प्रगति के पहिए को थामने की कोशिशों में लगे हुए हैं। भले ही हमारी मातृभाषा कुछ भी हो, लेकिन पूरे देश में एक संपर्क भाषा के रूप में हिंदी की उपयोगिता को खारिज नहीं किया जा सकता है। कई राज्यों में त्रिभाषा फार्मूले के रूप में शिक्षा के प्रसार में सात समुंदर पार की अंग्रेजी भाषा के अंगीकार में तो कोई परहेज नहीं है, लेकिन तमाम भारतीय भाषाओं के शब्दों को समेटे देश के स्वतंत्रता आंदोलनकारियों द्वारा स्वीकृत हिंदी का विरोध किया जा रहा है। ये दुर्भाग्यपूर्ण ही है।

बारिश का कहर: प्रकृति का विक्षोभ या विकास की विफलता?

(लेखक- ललित गर्ग)

बीते कुछ वर्षों में पहाड़ों में बारिश एवं बादल फटना अब डर, कहर और तबाही का पर्याय बन गई है। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, सिक्किम, और पूर्वोत्तर के अन्य पहाड़ी राज्यों में हर वर्ष मानसून के साथ भयावह भूस्खलन, बादल फटना, पुल बहना और सड़कें टूटना एक आम दृश्य बन गया है। यह केवल प्राकृतिक आपदा नहीं है, बल्कि एक व्यवस्थागत विफलता, सरकारी निर्माण की लापरवाही और अनियोजित विकास की पोल खोलने वाला यथार्थ है। निश्चय ही हाल के वर्षों में बारिश के पैटर्न में बदलाव आया है और बारिश की तीव्रता बढ़ी है। हर वर्ष जब मानसून की पहली बारिश पहाड़ों को भिगोती है, तो स्थानीय जनजीवन एक नई उम्मीद के साथ खिल उठता है। खेतों में हरियाली, नदियों में जल, और प्रकृति की शीतलता-मानसून एक उत्सव जैसा लगता है। लेकिन हालिया मानसूनी बारिश और मौसमी विक्षोभ की जुगलबंदी से हिमाचल के कई इलाकों में तबाही का जो भयावह मंजर उभरा, उसे हमें कुदरत के सबक के तौर पर देखना चाहिए। बड़ी संख्या में लोगों की मौत व लापता होने के साथ ही अरबों रुपये की निजी व सार्वजनिक संपत्ति का नुकसान हुआ है।

2023 और 2024 के मानसून ने हिमाचल और उत्तराखंड जैसे राज्यों में जो कहर बरपाया, वह केवल आँकड़ों में सीमित नहीं है। दर्जनों लोग मारे गए, सैकड़ों मकान जमींदोज़ हो गए, हजारों लोग बेघर हुए। हाइड्रो प्रोजेक्ट्स, सड़कों, सुरंगों और इमारतों के निर्माण ने जिस तरह से पहाड़ों की प्राकृतिक संरचना के साथ छेड़छाड़ की, वह अब प्रकृति के प्रतिशोध का कारण बन रही है। उत्तराखंड में 'ऑल वेदर रोड', हिमाचल में सुरंगें और जल विद्युत परियोजनाएं-इन सभी ने विकास के नाम पर जिस प्रकार अंधाधुंध खुदाई और कटान किए हैं, उससे पर्वतीय क्षेत्र अपनी स्थायित्व खोते जा रहे हैं। वैज्ञानिक चेतावनियों के बावजूद कई निर्माण कार्यों में भूगर्भीय सर्वेक्षण की अनदेखी की गई। नतीजा यह हुआ कि हल्की-सी भारी बारिश में ही सड़कें धंस जाती हैं, इमारतें दरकने लगती हैं, और पूरा गाँव मलबे में दब जाता है। वास्तव, पहाड़ी इलाकों में अतिवृष्टि से आपदा का जो भयावह मंजर उभर रहा है, उसके मूल में सिर्फ जलवायु परिवर्तन ही मुख्य कारक नहीं है। दरअसल, इस तबाही के मूल में हमारी नाजुक हिमालयी पारिस्थितिकीय तंत्र के प्रति बड़ी लापरवाही भी है। इस तथाकथित विकास के नाम पर हमने उन सीढ़ीनुमा रास्तों को दरकिनार कर दिया, जो पहाड़ों को मजबूती देते थे।

पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन कोई नई बात नहीं है, लेकिन हाल के वर्षों में इनकी तीव्रता और आवृत्ति में ज़बरदस्त वृद्धि देखी गई है। इसकी मुख्य वजहें हैं-अनियंत्रित पहाडों की कटिंग और खुदाई, बढ़ता भारी वाहन यातायात, जल निकासी की अव्यवस्था एवं वन क्षेत्र का अत्याधिक क्षरण। सरकारी निर्माण एजेंसियां अक्सर तय मानकों की अनदेखी करती हैं। निर्माण सामग्री घटिया होती है और मुनाफाखोरी के चक्कर में दीवारें और पुल बरसात में ताश के पत्तों की तरह ढह जाते हैं। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए), भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) और पर्यावरण वैज्ञानिक लगातार चेताते रहे हैं कि हिमालयी क्षेत्र बेहद संवेदनशील हैं। फिर भी, निर्माण कार्यों के लिए भू-सर्वेक्षण, पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन (ईआईए) और जनसुनवाई की प्रक्रियाओं को या तो टाल दिया जाता है या खानापूर्ति भर की जाती है। चार धाम यात्रा मार्ग पर बनने वाली सड़क परियोजनाओं को सुप्रीम कोर्ट ने भी कई बार रोका और सुझाव दिए कि पहाड़ों को काटने की बजाय टनल या वैकल्पिक मार्ग बनाए जाएं, लेकिन ज़मीनी हकीकत इससे उलट है।

निश्चय ही पूरी दुनिया में ग्लोबल वॉर्मिंग के चलते मौसम के बिगड़े तेवर नजर आ रहे हैं, लेकिन पहाड़ों में जल-प्रलय सी आपदा का विनाश निश्चय ही भयावह है। वैज्ञानिकों को इस तथ्य पर गंभीरता से विचार करना चाहिए कि पहाड़ों में बादल फटने की घटनाओं में अप्रत्याशित वृद्धि क्यों हुई है। इस साल की मानसूनी बारिश में मंडी जिले में बादल फटने की घटनाओं ने बुनियादी ढांचे, घरों, सड़कों और बगीचों को जिस तरह से नुकसान पहुंचाया है, उसने पहाड़ों में विकास के स्वरूप को लेकर फिर नये सिरे से बहस छेड़ दी है। राज्य के तमाम महत्वपूर्ण राजमार्ग भूस्खलन और अतिवृष्टि से बाधित रहे हैं। कांगड़ा घाटी में ऐतिहासिक रेल परिवहन को स्थगित करना पड़ा है। शिमला के पास एक बहुमंजिला इमारत के भरभरा कर गिरने के सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो ने भयभीत किया। जब बारिश आती है, तो केवल इमारतें और सड़कें नहीं ढहतीं, आम लोगों का जीवन भी उजड़ जाता है। लोग रातोंरात बेघर हो जाते हैं। स्कूल, अस्पताल, बिजली-पानी की सुविधाएं बंद हो जाती हैं। प्रशासनिक अमला अकसर घटनास्थल पर देर से पहुँचता है और राहत कार्यों में राजनीतिक रस्साकशी आड़े आ जाती है। राहत कैंपों में भोजन, शौचालय और दवाइयों की भारी कमी रहती है। जब किसी राज्य में बड़ी आपदा आती है, तभी मीडिया और नेताओं की नज़र जाती है। हेलिकॉप्टर से निरीक्षण, मुआवज़े की घोषणाएं, और 'हम साथ हैं' जैसे बयान आते हैं। लेकिन जैसे ही मौसम सामान्य होता है, पीड़ितों की सुध लेने वाला कोई नहीं रहता। लंबे समय तक पुनर्वास और पुनर्निर्माण कार्य अधर में लटकते हैं।

निश्चय ही मौसम के मिजाज में तल्खी नजर आ रही है लेकिन इस संकट के मूल में कहीं न कहीं अवैज्ञानिक विकास, खराब आपदा प्रबंधन और निर्माण में पारिस्थितिकीय ज्ञान की उपेक्षा भी निहित है। जिसने इस संकट को और अधिक बढ़ाया है। दरअसल, पानी के प्रवाह के जो प्राकृतिक रास्ते थे, हमने उन पर बहुमंजिली इमारतें खड़ी कर दी हैं। हमने अपेक्षाकृत नयी हिमालयी पर्वतमालाओं पर इतना भारी-भरकम विकास व निर्माण लाद दिया कि वे इस बोझ को सहन नहीं कर पा रही हैं। निर्माण कार्य में स्थानीय पारंपरिक वास्तुकला और प्राकृतिक सामग्री का प्रयोग बढ़ाया जाए। भू-सर्वेक्षण और ईआईए को अनिवार्य किया जाए, हर निर्माण से पहले वैज्ञानिक स्तर पर ज़मीन की जाँच और पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन आवश्यक हो। वनों की अंधाधुंध कटाई को रोका जाए और जलग्रहण क्षेत्रों को पुनर्स्थापित किया जाए। गाँवों और कस्बों के स्थानीय लोगों को निर्णय प्रक्रिया में शामिल किया जाए ताकि निर्माण कार्य ज़मीनी ज़रूरतों और जोखिमों के अनुसार हो।

(चिंतन-मनन)

तुम्हारी सम्पदा है निष्ठा

यदि तुम सोचने हो कि ईश्वर में तुम्हारी निष्ठा ईश्वर का कुछ हित कर रही है, तो यह भूल है। ईश्वर या गुरु में तुम्हारी निष्ठा ईश्वर या गुरु का कुछ नहीं करती। निष्ठा तुम्हारी सम्पदा है। निष्ठा तुम्हें बल देती है। तुममें स्थिरता, केंद्रीयता, प्रशांति और प्रेम लाती है। निष्ठा तुम्हारे लिए आशीर्वाद है। यदि तुममें निष्ठा का अभाव है, तुम्हें निष्ठा के लिए प्रार्थना करनी होगी। परन्तु प्रार्थना के लिए निष्ठा की आवश्यकता है यह विरोधाभासी है। लोग संसार में निष्ठा रखते हैं परन्तु समस्त संसार सिर्फ साबुन का बुलबुला है। लोगों की स्वयं में निष्ठा है परन्तु वे नहीं जानते कि वे स्वयं कौन हैं! लोग सोचते है कि ईश्वर में उनकी निष्ठा है परन्तु वे सचमुच नहीं जानते कि ईश्वर कौन है।

निष्ठा तीन प्रकार की होती है- पहली है स्वयं में निष्ठा- स्वयं में निष्ठा के बिना तुम सोचते हो, मैं यह नहीं कर सकता, यह मेरे लिए नहीं, मैं कभी इस जिंदगी से मुक्त नहीं हो पाऊंगा। दूसरी है संसार में निष्ठा-संसार में तुम्हें निष्ठा रखनी ही होगी वरना तुम एक इन्च भी नही बढ़ सकते। यदि तुम सब पर शक करोगे, तब तुम्हारे लिए कुछ नहीं हो सकता। तीसरे ईश्वर में निष्ठा रखो, तभी तुम विकसित होगे। ये सभी निष्ठाएं आपस में जुड़ी हैं।प्रत्येक को मजबूत होने के लिए तुममां तीनों ही होनी चाहिए। यदि तुम एक पर भी शक करोगे, तुम सब पर शक करना आरम्भ कर दोगे। ईश्वर, संसार और स्वयं के प्रति निष्ठा का अभाव भय लाता है।

निष्ठा तुम्हें पूर्ण बनाती है-सम्पूर्ण संसार के प्रति निष्ठा होते हुए भी ईश्वर में निष्ठा न होने से पूर्ण शान्ति नहीं मिलती। यदि तुममें निष्ठा और प्रेम है तो स्वत- ही तुममें शांति और स्वतत्रता होगी।अत्यधिक अशान्त व्यक्तियों को समस्याओं से निकलने के लिए ईश्वर में निष्ठा रखनी चाहिए। निष्ठा और विश्वास में फर्क है। निष्ठा आरम्भ है, विश्वास परिणाम है। स्वयं के प्रति निष्ठा स्वतंत्रता लाती है। संसार में निष्ठा तुम्हें मन की शांति देती ह। ईश्वर में निष्ठा तुममें प्रेम जागृत करती है।

विचार मंथन

आमदनी चवन्नी खर्चा रुपैया

(लेखक- सनत जैन)

- कर्ज के कारण परिवार सहित आत्महत्या, चिंताजनक

भारत जैसे विकासशील देश में आर्थिक असमानता और सामाजिक दबाव के बीच एक नई खतरनाक प्रवृत्ति उभर रही है। कर्ज के कारण परिवार सहित आत्महत्या करने की प्रवृत्ति दिनों दिन बढ़ती चली जा रही है। देश में यह ना केवल वित्तीय विफलता है।बल्कि हमारी सामाजिक संरचना, मानसिक, स्वास्थ्य व्यवस्था और उपभोक्तावादी सोच की करुणामय त्रासदी भी है। पहले आम आदमी कर्ज मजबूरी के कारण लेता था। यह मजबूरी भोजन, स्वास्थ्य, शिक्षा या विवाह शादी जैसे कार्यक्रम के लिए कर्ज लिया जाता था। व्यवसायिक विस्तार के लिए भी छोटे-मोटे कारोबारी कर्ज लेते थे। भारतीय संस्कृति में कर्ज लेना सबसे बुरा माना जाता था। पहले सामाजिक व्यवस्था में कर्जदार व्यक्ति को सम्मान भी नहीं मिलता था। कर्ज भी व्यक्ति को उसकी आर्थिक स्थिति को देखते हुए साहूकार से मिलता था। 2003 के बाद आसानी से बैंकों के माध्यम से कर्ज उपलब्ध होने लगा। बैंक और एनएफसी कंपनियां घर-घर जाकर लोन देने लगी। लोगों को मोबाइल, फोन, टीवी, फ्रिज, मोटर साइकिल, कार, पढ़ाई के लिए आसानी से कर्ज मिलने लगा। पिछले कुछ वर्षों में ऑनलाइन लॉटरी, ऑनलाइन गेम और जुए के लिए भी लोग कर्ज लेने लगे हैं। आमदनी चवन्नी और खर्चा रुपैया की प्रवत्ती बढ़ती जा रही है। जिसके कारण निम्न और मध्यम वर्ग कर्ज के बोझ से दब गया है। जब उसे कर्ज से उभरने का कोई रास्ता नहीं दिखता है। ऐसी स्थिति में परिवार के सभी सदस्यों को मारकर खुद आत्महत्या कर लेता है। ऐसे मामले लगातार बढ़ते चले जा रहे हैं। क्रेडिट कार्ड, ईएमआई, माइक्रो फाइनेंस, बाय नाउ-पे लेटर जैसी कर्ज की स्कीमें, जरूरत और विलासिता के बीच का अंतर मिटा चुकी हैं। आम आदमी सुविधाओं, भौतिक सुविधाओं और बाजारवाद के चंगुल में फंसकर कर्ज के मकड़ जाल में फंस जाता है। जिससे निकल पाना उसके लिए लगभग असंभव हो जाता है। किश्तों का बोझ, आय का अभाव, समाज का दिखावटी दबाव, आपसी प्रतिस्पर्धा यह सब मिलकर सामाजिक व्यवस्था मे कर्जदार को मानसिक रूप से तोड़ देता है। दिखावे की प्रवत्ति के कारण भारतीय समाज बड़े दबाव में है। 2003 के पहले यह दबाव देखने को नहीं मिलता था। बाजारवाद और दिखावे ने भारतीय समाज को आत्महत्या जैसे कृत्य के लिए मजबूर कर दिया है। अब हालात इतने विकट हो चुके हैं। व्यक्ति अकेले आत्महत्या नहीं कर रहा है। अपने छोटे-छोटे बच्चों, पत्नी और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ आत्मघात की प्रवत्ती दिनों दिन बढ़ती जा रही है। यह केवल आर्थिक असफलता नहीं, बल्कि मनोवैज्ञानिक और सामाजिक दबाव का संकेत है। भौतिक आवश्यकताओं की मांग बढ़ने से भारत में यह परिवर्तन पिछले 20 वर्षों में देखने को मिल रहा है। व्यक्ति को जब लगता है, कर्ज से निकलने का कोई रास्ता नहीं है। समाज उसे विफलता की नजर से देखेगा। ऐसी स्थिति में वह स्वयं और परिवार को कष्ट से मुक्त करने के लिए परिवार के सदस्यों की हत्या एवं स्वयं आत्महत्या जैसा कदम उठाने लगा है। यह स्थिति बेहद चिंताजनक है। इसके पीछे का मनोविज्ञान समझना समय की जरूरत है। पिछले एक दशक में जिस तरह से आम आदमी पर जुर्माने और टैक्स बढ़ाए गए हैं। उसने लोगों की पूरी सोच को बदल दिया है। वास्तविक जरूरत से चार गुना खर्च बाजारवाद का दबाव है, जो दिखावे के कारण होता है। जिसके कारण लोग परेशान हैं। सरकार को चाहिए वह कर्ज माफी या स्कीमों तक सीमित ना रहे। व्यापक स्तर पर सामाजिक सोच में बदलाव, वित्तीय साक्षरता, मानसिक स्वास्थ्य, परामर्श और कर्ज के बोझ से दबे हुए लोगों को बाहर निकालने में सहायता देने का रास्ता विकसित करे। स्कूलों से लेकर पंचायतों तक लोगों को सिखाया जाए, कर्ज एक सुविधा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 40 पैसे की गिरावट के साथ ही 85.90 पर बंद हुआ। विदेशी पूंजी की निकासी और घरेलू शेयर बाजारों की कमजोर शुरुआत के बीच रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में 26 पैसे टूटकर 85.66 प्रति डॉलर पर खुला। अमेरिका के अपने व्यापारिक साझेदारों पर शुल्क बढ़ोतरी की समय-सीमा नौ जुलाई से पहले नए समझौते करने का दबाव रविवार को बढ़ा दिया और देशों को धमकी दी है कि एक अगस्त से उच्च शुल्क लागू हो सकते हैं। इससे रुपये पर और दबाव पड़ेगा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.53 पर खुला। बाद में 85.66 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 26 पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया शुक्रवार को डॉलर के मुकाबले 85.40 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.10 फीसदी की गिरावट के साथ 97.08 पर आ गया।

बीई 6 और एक्सईवी 9ई इलेक्ट्रिक एसयूवी की डिलेवरी होगी जल्द

नई दिल्ली।

स्वदेशी कंपनी महिंद्रा ने बीई 6 और एक्सईवी 9ई एसयूवीएस के पेक टू वेरिएंट की डिलीवरी जुलाई के अंत से शुरू करने की घोषणा की है। इन मॉडलों में अब 79केडब्ल्यूएच बैटरी पैक का विकल्प मिलेगा, जो लगभग 500 किलोमीटर की वास्तविक ड्राइविंग रेंज देने में सक्षम है।बीई 6 की एक्स-शोरूम कीमत 59केडब्ल्यूएच बैटरी के लिए रुपए 21.90 लाख और 79केडब्ल्यूएच बैटरी के लिए रुपए 23.50 लाख रखी गई है। वहीं एक्सईवी 9ई की कीमत 59केडब्ल्यूएच बैटरी के साथ रुपए 24.90 लाख और 79केडब्ल्यूएच वेरिएंट के लिए रुपए 26.50 लाख तय की गई है। महिंद्रा ने इन इलेक्ट्रिक एसयूवीएस को केवल बैटरी रेंज ही नहीं बल्कि प्रीमियम फीचर्स से भी लैस किया है। इनमें 16-स्पीकर हार्मन कार्डन साउंड सिस्टम विद डोल्बी अटमास, फुल ग्लास रूफ और लेवल 2 अडास जैसी आधुनिक सुविधाएं दी गई हैं। एक्सईवी 9ई में ट्रिपल स्क्रीन 'सिनेमास्कोप' डिस्प्ले है जबकि बीई 6 में मोटरस्पोर्ट-प्रेरित डिजिटल कॉकपिट मिलता है। बीई 6 पेक टू अब और प्रीमियम हो गया है क्योंकि इसमें सेज लेदरट इंटीरियर्स और आइवरी रूफ लाइनिंग जैसे फीचर्स भी शामिल किए गए हैं जो पहले केवल महंगे वेरिएंट में मिलते थे। कंपनी ने ग्राहकों को यह विकल्प भी दिया है कि वे पहले से बुक किए गए वेरिएंट को 79केडब्ल्यूएच बैटरी विकल्प में अपग्रेड कर सकते हैं।

ब्रिक्स देशों पर ट्रंप की चेतावनी- अमेरिका-विरोधी नीतियां अपनाने पर 10 फीसदी अतिरिक्त शुल्क लगेगा

न्यूयॉर्क।

ब्रिक्स समूह की अमेरिका-विरोधी नीतियों की आलोचना करते हुए अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने धमकी दी है कि ऐसे किसी भी देश पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाया जाएगा जो इन नीतियों से जुड़ता है। यह बयान उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ सोशल' पर रविवार रात को दिया। ट्रंप ने लिखा` कि ब्रिक्स की अमेरिका विरोधी नीतियों से जुड़ने वाले किसी भी देश पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाया जाएगा। इसमें कोई अपवाद नहीं होगा। अमेरिका सोमवार, 7 जुलाई से दोपहर 12 बजे (पूर्वी समयानुसार) से विभिन्न देशों को टैरिफ और समझौतों से संबंधित औपचारिक पत्र भेजेगा। यह बयान ऐसे समय में आया है जब ब्रिक्स समूह का 17वां शिखर सम्मेलन 6-7 जुलाई को ब्राजील में हो रहा है, जिसमें ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका के अलावा हाल ही में शामिल हुए मिस्र, इथियोपिया, ईरान, संयुक्त अरब अमीरात और इंडोनेशिया के नेता भाग ले रहे हैं।

देश के प्रमुख 8 शहरों में कार्यालय पट्टा मांग होगी नौ करोड़ वर्गफुट के पार: सीएंडडब्ल्यू

पुणे, चेन्नई और दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में कार्यालय स्थल की मांग बढ़ी

नई दिल्ली।

रियल एस्टेट सलाहकार कंपनी कुशमैन एंड वेकफील्ड (सीएंडडब्ल्यू) की रिपोर्ट के अनुसार, भारत के शीर्ष आठ शहरों में कार्यालय स्थलों की सकल पट्टा मांग वर्ष 2025 में नौ करोड़ वर्ग फुट को पार कर जाएगी।

कोविड-19 महामारी के बाद भी भारतीय कार्यालय बाजार में मजबूती का दौर जारी है और यह तेजी से वृद्धि कर रहा है। कंपनी द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, जनवरी से जून 2025 के बीच इन आठ शहरों में कार्यालय पट्टा मांग 4.17 करोड़ वर्ग फुट रही, जो पिछले वर्ष इसी अवधि की तुलना में बढ़ी है। पुणे, चेन्नई और दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में कार्यालय स्थल की मांग में इजाफा देखने को मिला, जबकि मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद, अहमदाबाद और कोलकाता में थोड़ा कमी आई है। 2024 में इन शहरों में कुल पट्टा मांग 8.9 करोड़ वर्ग फुट थी। कुशमैन एंड वेकफील्ड ने अनुमान लगाया है कि वर्ष 2025 में यह आंकड़ा नौ करोड़ वर्ग फुट के पार हो जाएगा, जो भारतीय कार्यालय बाजार के लिए एक नया मील का पत्थर साबित होगा। कंपनी के भारत, दक्षिण-पूर्व एशिया और एशिया-प्रशांत क्षेत्र के 'टेनेंट रिप्रेजेंटेशन' प्रभाग के एक मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने कहा कि भारत का कार्यालय बाजार मजबूत आर्थिक विकास के कारण वैश्विक प्रतिस्पर्धा में बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। उन्होंने कहा कि तकनीक, बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं एवं बीमा (बीएफएसआई), और इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है, जो कार्यालय स्थलों की मांग को बढ़ावा दे रही है।

आधार हाउसिंग फाइनेंस ने इन्दौर में खोली पहली पूर्ण महिला-संचालित शाखा

इन्दौर।

आवास क्षेत्र में महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए, आधार हाउसिंग फाइनेंस ने इन्दौर में अपनी पहली पूर्ण महिला-संचालित शाखा का शुभारंभ किया है। कंपनी के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी ऋषि आनंद ने इस शाखा के उद्घाटन पर यह जानकारी दी। ऋषि आनंद ने बताया, यह देश भर में हमारी लगभग 600 शाखाओं में से पहली ऐसी शाखा है जिसका प्रबंधन पूरी तरह से महिलाओं द्वारा किया जाएगा। कंपनी की योजना इस वित्तीय वर्ष के दौरान भारत भर में ऐसी 12 और शाखाएं खोलने की है। उन्होंने यह भी बताया कि आधार हाउसिंग फाइनेंस की मध्य प्रदेश में वर्तमान में 46 शाखाएं हैं। राज्य में कंपनी के प्रबंधन के तहत परिसंपत्तियाँ (रू) फिलहाल 2,750 करोड़ हैं, और चालू वित्तीय वर्ष के अंत तक इनके 3,200 करोड़ तक पहुंचने की उम्मीद है।

अब सिर्फ 23.30 लाख में मिलेगा यूएई का गोल्डन वीज़ा

भारत में शुरू हुआ नामांकन आधारित नया प्लान

नई दिल्ली।

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) सरकार ने भारतीयों के लिए गोल्डन वीज़ा योजना में बड़ा बदलाव किया है। अब भारतीय नागरिक केवल 1 लाख दिरहम (लगभग 23.30 लाख) देकर जीवनभर के लिए दुबई का गोल्डन वीज़ा हा सिल कर सकते हैं। पहले इसके लिए कम से कम 20 लाख दिरहम (4.66 करोड़) की प्रॉपर्टी खरीदना या बड़ा कारोबारी निवेश ज़रूरी था। नई योजना नामांकन आधारित है, यानी अब वीज़ा किसी योग्य व्यक्ति को नामांकित करके भी मिल सकता है। यह योजना भारत और बांग्लादेश में पहले चरण में शुरू की गई है। भारत में इसे रेयाड ग्रुप संचालित कर रहा है, जिसकी जिम्मेदारी आवेदन प्रक्रिया और जांच की है। आवेदकों की पृष्ठभूमि की जांच की जाएगी जिसमें मनी लॉन्ड्रिंग, आपराधिक रिकॉर्ड और सोशल मीडिया एक्टिविटी शामिल हैं। साथ ही देखा जाएगा कि व्यक्ति यूएई की अर्थव्यवस्था, संस्कृति, विज्ञान, व्यापार या प्रोफेशनल सेवाओं में कैसे योगदान दे सकता है। आवेदन की प्रक्रिया ऑनलाइन और वन वेस्को के वीज़ा केंद्रों के माध्यम से की जा सकती है। दुबई जाने की जरूरत नहीं होगी। इस वीज़ा के तहत व्यक्ति अपनी फैमिली, नौकर और ड्राइवर को साथ रख सकता है और किसी भी तरह का बिज़नेस कर सकता है।

शेयर बाजार सपाट बंद

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को सपाट बंद हुए। सप्ताह के पहले ही दिन दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों से बाजार आज तय दायरे में काम करता दिखा और इसमें दिन भर उतार-चढ़ाव रहा। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 9.61 अंकों की हल्की तेजी के साथ 83,442.50 अंकों पर बंद हुआ। इसी तरह आज 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी भी 0.30 अंकों की तेजी के साथ 25,461.30 अंकों पर बंद हुआ। आज सेंसेक्स की 30 में से केवल 12 कंपनियों के शेयर ही बढ़कर बंद हुए। वहीं शेष सभी 20 कंपनियों के शेयर नुकसान के साथ ही नीचे आये हैं। इसी तरह, निफ्टी की 50 में से 22 कंपनियों के शेयर तेजी के साथ बंद हुए और बाकी की सभी 28 कंपनियों के शेयर गिरावट पर बंद हुए। आज सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल हिंदुस्तान यूनिलीवर का शेयर सबसे ज्यादा 3.00 फीसदी बढ़ा जबकि बीईएल (भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड) के शेयर आज सबसे ज्यादा 2.41 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुए।

सेंसेक्स की कंपनियों की बात करें तो आज कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर 1.07 फीसदी, ट्रेंट 0.94 फीसदी, रिलायंस इंडस्ट्रीज 0.90 फीसदी, एशियन पेंट्स 0.89 फीसदी, आईटीसी 0.87 फीसदी, भारती एयरटेल 0.75 फीसदी, अडाणी पोर्ट्स 0.71 फीसदी, पावरग्रिड 0.65फीसदी, एनटीपीसी 0.64 फीसदी बढ़कर बंद हुए।

वहीं दूसरी ओर टेक महिंद्रा के शेयरों में 1.83 फीसदी, अल्ट्राटेक सीमेंट 1.28 फीसदी, मारुति सुजुकी 1.07 फीसदी, इंफोसिस 0.93फीसदी, एचसीएल टेक 0.86 फीसदी, एसबीआई 0.55 फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक 0.53फीसदी, टाइटन 0.50 फीसदी, टाटा स्टील 0.37 फीसदी, एक्सिस बैंक 0.34

फीसदी गिरावट पर बंद हुए।

इससे पहले आज सुबह बाजार मामूली गिरावट के साथ लाल निशान में खुले। सेंसेक्स करीब 50 अंक की गिरावट के साथ 83,398 अंक पर खुला। निफ्टी 53.75 अंक गिरकर 25,407.25 पर खुला। वहीं निवेशकों की नजर आज अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प के टैरिफ पर अपडेट पर टिकी होगी। अमेरिकी के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेन्ट ने रविवार को कहा कि टैरिफ 1 अगस्त से उन देशों पर लागू होंगे जिन्होंने ट्रम्प प्रशासन के साथ समझौते को अंतिम रूप नहीं दिया है। निवेशक अप्रैल-जून तिमाही के नतीजों की तैयारी करेंगे। तिमाही सीजन इस सप्ताह शुरू होने वाला है। वहीं अमेरिकी टैरिफ लगाने की समयसीमा में बदलाव के कारण एशिया बाजारों में गिरावट देखी जा रही है। जापान का बेंचमार्क निक्केई 225 0.26 प्रतिशत गिरा, जबकि दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.48 फीसदी गिरा। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200 खुलने पर स्थिर रहा। इस बीच, अमेरिकी स्टॉक फ्यूचर्स भी गिरावट के साथ कारोबार कर रहा था।

सोने-चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट

सोने का भाव 96,395 रुपए प्रति 10 ग्राम, चांदी ,07,446 रुपए प्रति किग्रा

नई दिल्ली।

सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को सोने-चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट आई है। सप्ताह के पहले` दिन सोमवार को एमसीएक्स पर सोने का भाव 0.61 फीसदी लुढ़का है, ये 96,395 रुपए प्रति 10 ग्राम के आसपास है। चांदी अभी भी एक लाख के पार कारोबार कर रही है लेकिन आज इसमें 0.91 फीसदी की गिरावट आई है। चांदी 1,07,446 रुपए प्रति किग्रा के आसपास है। कॉमेक्स पर सोना 0.84 फीसदी की तेज गिरावट के साथ 3314.40 डॉलर प्रति औंस पर है। बता दें कि अप्रैल में ट्रंप ने

10 फीसदी बेस टैरिफ और कुछ मामलों में 50 फीसदी तक का अतिरिक्त टैरिफ का ऐलान कर दिया था लेकिन बाद में इन्हें 90 दिन के लिए स्थगित कर दिया गया था, ताकि बातचीत का समय मिले। इसकी आखिरी तारीख 9 जुलाई को खत्म हो रही है। बाजार के जानकारों ने कहा कि अगर ट्रंप 9 जुलाई को ही अंतिम तिथि बनाए रखने पर जोर देते हैं और फिर से ये टैरिफ लगता है, तो डॉलर निश्चित रूप से कमजोर होगा और सोने की कीमत में उछाल आ सकता है।

जून में वाहनों की खुदरा बिक्री में 5 फीसदी वृद्धि

दोपहिया और ट्रैक्टरों की मांग में तेजी

नई दिल्ली।

जून 2025 में भारत में मोटर वाहनों की खुदरा बिक्री में सालाना आधार पर 4.84 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोटिव डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के अनुसार इस महीने कुल वाहन पंजीकरण 20,03,873 इकाई रहा, जो पिछले साल जून में 19,11,354 इकाई था। यात्री वाहनों की बिक्री 2 फीसदी बढ़कर 2,97,722 इकाई हो गई, जबकि दोपहिया वाहनों की बिक्री में 5 फीसदी वृद्धि दर्ज की गई और यह 14,46,387 इकाई पर पहुंच गई। तिपहिया वाहनों की बिक्री 7 फीसदी बढ़कर 1,00,625 इकाई रही, और वाणिज्यिक वाहनों का पंजीकरण भी 7 फीसदी बढ़कर 73,367 इकाई हो गया। ट्रैक्टरों की बिक्री सबसे ज्यादा 9 फीसदी की वृद्धि के साथ 77,214 इकाई रही। एफएडीए के एक अे धिकारी ने बताया कि भारी वर्षा और नगदी की कमी के कारण ग्राहकों की आमद प्रभावित हुई, लेकिन कुछ हद तक नई बुकिंग और प्रोत्साहन योजनाओं ने बिक्री को सहारा दिया। अप्रैल-जून तिमाही में कुल खुदरा बिक्री 5 फीसदी बढ़कर 65,42,586 इकाई हो गई। इसी अवधि में यात्री वाहनों की बिक्री 3 फीसदी, दोपहिया वाहनों की बिक्री 5 फीसदी, तिपहिया वाहनों की बिक्री 12 फीसदी और ट्रैक्टर बिक्री 6 फीसदी बढ़ी।

ट्रैवल फूड सर्विसेज का 2,000 करोड़ का आईपीओ खुला

प्राइस बैंड 1,045-1,100 रुपए प्रति शेयर

नई दिल्ली।

मुंबई स्थित ट्रैवल क्रिक सर्विस रेस्तरां (क्यूएसआर) कंपनी ट्रैवल फूड सर्विसेज (टीएफएस) का इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) सोमवार को निवेश के लिए खुल गया है। यह इश्यू 9 जुलाई 2025 तक सब्सक्रिप्शन के लिए खुला रहेगा। कंपनी इस आईपीओ के जरिए 2,000 करोड़ रुपए जुटाने की योजना में है। यह एक पूरी तरह ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) आधारित इश्यू है, जिसमें लगभग 1.82 करोड़ इक्विटी शेयर बिक्री के लिए रखे गए हैं। इसमें कंपनी की ओर से कोई नया इक्विटी इश्यू नहीं किया जा रहा है। प्रमोटर कपूर फैमिली ट्रस्ट सेलिंग शेयरहोल्डर के रूप में शामिल है। आईपीओ का प्राइस बैंड 1,045 से 1,100 प्रति शेयर तय किया गया है। लॉट साइज 13 शेयरों का है, यानी खुदरा निवेशक को कम से कम 14,300 का निवेश करना

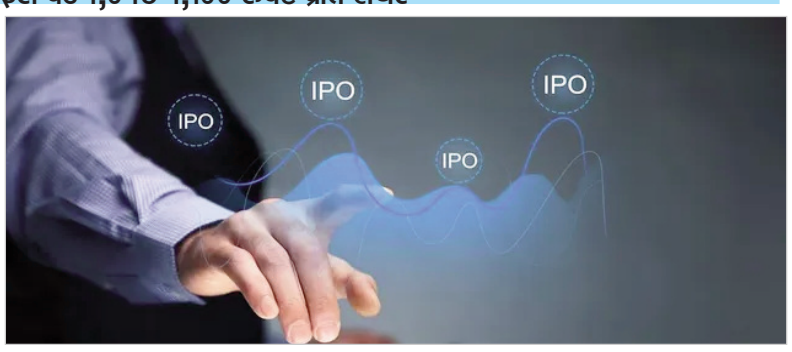

होगा। अधिकतम सीमा के तहत रिटेल निवेशक 169 शेयर (13 लॉट) यानी 1,85,900 तक निवेश कर सकते हैं।

इश्यू के तहत 50 फीसदी हिस्सा क्यूआईबीएस, 35 फीसदी रिटेल निवेशकों और 15 फीसदी नॉन-इंस्टीट्यूशनल निवेशकों के लिए आरक्षित है। इश्यू से पहले कंपनी ने एंकर निवेशकों से 1,100 प्रति शेयर की दर से 600 करोड़ जुटा लिए हैं। प्रमुख एंकर निवेशकों में आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एमएफ, एक्सिस एमएफ, कोटक एमएफ, अबू धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी, और फिडेलिटी शामिल हैं। टीएफएस एयरपोर्ट्स, रेलवे स्टेशनों और हाइवे पर फूड सर्विसेज देने वाली एक अग्रणी कंपनी है। आईपीओ को लेकर बाजार में सकारात्मक माहौल देखने को मिल रहा है।

जेन स्ट्रीट के बहाने सेबी ने खोला हाई-फीक्वेंसी ट्रेडिंग के खिलाफ मोर्चा

नियम को और सख्त नियम बनाने की तैयारी

नई दिल्ली।

बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) और स्टॉक एक्सचेंज जेन स्ट्रीट मामले के बाद वैश्विक हाई-फ्रीक्वेंसी ट्रेडिंग (एचएफटी) और क्वांट फर्मों द्वारा अपनाई जा रही ट्रेडिंग रणनीतियों की जांच का दायरा बढ़ा रहे हैं। सूत्रों का कहना है कि जेन स्ट्रीट मामले में तत्काल व्यापक स्तर पर नियमों का उल्लंघन नहीं देखा गया है। मगर सिटाडेल सिक्योरिटीज, ऑप्टिवर, मिलेनियम और आईएमसी ट्रेडिंग जैसी एचएफटी और क्वांट फर्में भारत में तेजी से विस्तार कर रही हैं और ट्रेड अनुबंधों के हिसाब से भारत दुनिया का सबसे बड़ा डेरिवेटिव बाजार है, ऐसे में बाजार नियामक सेबी का लक्ष्य खास सतर्कता बरतनी है। जानकारों का कहना है कि सेबी और एक्सचेंज वायदा, विकल्प और कैश मार्केट में हेरफेर करने वाले ट्रेडिंग पैटर्न और कीमतों को प्रभावित करने के प्रयासों का पता लगाने के लिए निगरानी तंत्र बढ़ा रहे हैं। इससे इन फर्मों की एक्सचेंजों को अपनी रणनीतियों का खुलासा किए बिना बेहतर निगरानी संभव हो सकेगी। जेन स्ट्रीट में अगस्त 2024 में संदिग्ध ट्रेडिंग का पता चला था जिसने मौजूदा निरीक्षण तंत्र में कुछ कमजोरियों को उजागर किया है। महीनों तक जमीनी स्तर पर काम करने के बाद सेबी ने पिछले हफ्ते अमेरिकी कंपनी के खिलाफ 4,840 करोड़ रुपये का जब्ती आदेश जारी किया। यह जटिल ट्रेडिंग रणनीतियों की निगरानी की कठिनाइयों को उजागर करता है। सेबी की आंतरिक समिति ने उन्नत प्रणालियों की सहायता से ट्रेडिंग के इन प्रारूप की पहचान की और अगस्त 2024 की शुरुआत में जेन स्ट्रीट से प्रतिक्रिया मांगी थी। इस मामले ने सेबी को निफ्टी 50 और सेंसेक्स जैसे इंडेक्स में 'किलिंग वोलेटिलिटी' या 'एक्सप्लोडिंग वोलेटिलिटी' जैसी समान हेरफेर रणनीतियों की जांच करने के लिए प्रेरित किया है। हेरफेर के जोखिमों को कम करने के लिए सेबी ने हाल के महीनों में डेरिवेटिव ट्रेडिंग के कड़े नियम जारी किए हैं। इनमें ओपन इंटरेस्ट के लिए नया 'डेल्टा' कैलकुलेशन, संशोधित मार्केट-वाइड पोजीशन लिमिट और निपटान जोखिमों को कम करने के लिए दिन में कम से कम चार बार इंट्राडे मार्केट-वाइड पोजीशन लिमिट की निगरानी करना शामिल है।

मुकेश अंबानी को अब अमेरिकी एथेन से भरे जहाज का इंतज़ार

अब भारत मंगवा रहा है वो गैस जो पहले जाती थी चीन

नई दिल्ली।

ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका और चीन के बीच चल रहे ट्रेड वॉर के बीच भारत को बड़ा फायदा नजर आ रहा है। एशिया के सबसे अमीर उद्योगपति में शा मिल मुकेश अंबानी अब अमेरिकी एथेन से भरे जहाज का इंतज़ार कर रहे हैं, जो पहले चीन भेजा जाना था लेकिन अब भारत के लिए रास्ता बदल चुका है। यह जहाज, जिसका नाम एसटीएल किंन जिंग है, अमेरिका के गल्फ कोस्ट से एथेन गैस लेकर चला है और अब सीधे गुजरात के दाहेज में रिलायंस के टर्मिनल पर पहुंचेगा। वहां मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज़ ने 2017 में एक यूनिट बनाई थी, जो इस गैस से एथिलीन नाम का केमिकल बनाती है। एथिलीन प्लास्टिक और कई दूसरे सामान बनाने में इस्तेमाल होता है। रिलायंस ने 2017 में खुद को दुनिया की पहली कंपनी बताया था, जिसने इतने बड़े स्तर पर नॉर्थ अमेरिका से एथेन लाने की योजना बनाई थी। अब वही प्लानिंग भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता में अहम भूमिका निभा सकती है। ब्लूमबर्ग के अनुसार, भारत के वार्ताकार अमेरिका से कह सकते हैं - हम आपकी गैस खरीद रहे हैं, इसलिए 43 अरब डॉलर के व्यापार घाटे पर ज़्यादा चिंता न करें। 68 साल के मुकेश अंबानी ने आज से कई साल पहले ही यह समझ लिया था कि नॉर्थ अमेरिका से एथेन गैस मंगवाना फायदेमंद साबित हो सकता है। उनके पिता धीरूभाई अंबानी को कभी पॉलिएस्टर प्रिंस कहा जाता था। मुकेश अंबानी ने भले ही रिटेल और डिजिटल जैसे नए कारोबार में करीब 57 अरब डॉलर का बड़ा बिजनेस खड़ा किया हो, लेकिन अब भी उनकी सबसे बड़ी कमाई पुरानी ऑयल-टू-केमिकल्स यूनिट से होती है, जिससे हर साल लगभग 74 अरब डॉलर (करीब □ लाख करोड़) की आमदनी होती है। पहले रिलायंस और बाकी कंपनियां एथिलीन नाम का केमिकल बनाने के लिए नाफ्था का इस्तेमाल करती थीं, जो कच्चे तेल को रिफाइन करने से निकलता है। लेकिन नाफ्था से एथिलीन बनाने में सिर्फ 30 फीसदी तक ही गैस का सही इस्तेमाल हो पाता है। इसके उलट एथेन से करीब 80 फीसदी गैस का फायदा मिलता है। पहले तेल तो मंगवाना ही पड़ता था, इसलिए नाफ्था से ही काम चल जाता था और उसी से पॉलिएस्टर और प्लास्टिक जैसे प्रोडक्ट बनाए जाते थे। लेकिन अब एथेन सस्ता और ज़्यादा असरदार विकल्प बनता जा रहा है। एथेन की कीमत नाफ्था के मुकाबले करीब आधी पड़ती है।

टाटा हैरियर ईवी को मिले 24 घंटे में 10 हजार ऑर्डर

नई दिल्ली।

स्वदेशी कंपनी टाटा मोटर्स की नई हैरियर ईवी की 2 जुलाई से शुरू हुई बुकिंग को ग्राहकों का शानदार रिस्पॉन्स मिला। इस ईवी कार के महज 24 घंटों में ही 10,000 से ज्यादा ऑर्डर दर्ज हो गए।

जबकि इस साल की शुरुआत में महिंद्रा एक्सईवी 9ई ने लॉन्च के दिन 16,900 यूनिट की बुकिंग पाई थी। टाटा ने पुणे प्लांट में इसका प्रोडक्शन भी शुरू कर दिया है। हैरियर ईवी एक बार चार्ज करने पर 622 किलोमीटर तक की सर्टिफाइड रेंज दे सकती है। इसमें दो बैटरी विकल्प हैं ङ्क 65-केडब्ल्यूएच और 75-केडब्ल्यूएच। छोटे बैटरी पैक के साथ इसकी सर्टिफाइड रेंज 538 किलोमीटर और बड़े बैटरी पैक के साथ 627 किलोमीटर (एमआईडीसी स्टैंडर्ड) है।

टाटा का सी 75 टेस्टिंग स्टैंडर्ड 65-केडब्ल्यूएच बैटरी के लिए 420ङ्क445 किलोमीटर और 75-केडब्ल्यूएच वैरिएंट के लिए 480ङ्क505 किलोमीटर तक की वास्तविक रेंज का दावा करता है।

टॉप वेरिएंट क्यूडब्ल्यूडी फॉर्मेट में डुअल मोटर और ऑल-व्हील ड्राइव सेटअप के साथ आता है, जो 622 किलोमीटर की सर्टिफाइड रेंज देता है। इसमें 540-डिग्री कैमरा फंक्शन है जो 360-डिग्री व्यू के साथ कार के नीचे का दृश्य भी दिखाता है, जिससे ऑफरोड या खराब रास्तों में ड्राइवर को मदद मिलती है। ईवी वैरिएंट में 6 मल्टी-टेरेन मोड दिए गए हैं जैसे मड, रॉक, सैंड और स्नो/ग्रास।

इसके बूस्ट मोड से यह एसयूवी 6.3 सेकंड में 0 से 100 किमी प्रति घंटा की रफ्तार पकड़ लेती है।

इसमें 14.5-इंच का सैमसंग नियो क्यूएलईडी इंफोटेनमेंट डिस्प्ले है, जो किसी भी टाटा कार में अब तक का सबसे बड़ा स्क्रीन है। इसमें शार्क फिन एंटीना पर एडिशनल कैमरा लगा है जिसकी फीड डिजिटल आईआरवीएम पर दिखती है और यह डैशकैम की तरह रिकॉर्डिंग भी करता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बुमराह लॉर्ड्स टेस्ट में खेलेंगेः शुभमन

बर्मिंघम।

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल ने कहा है कि 10 जुलाई से लॉर्ड्स में होने वाले तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह खेलेंगे। वहीं इस मैच में इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने गस एटकिंसन को शामिल किया है। वहीं शुभमन गिल ने भी पुष्टि कर दिया है कि जसप्रीत बुमराह तीसरे टेस्ट मैच में मैदान पर उतरेंगे। ऐसे में सवाल उठता है कि किस तेज गेंदबाज को बाहर किया जाएगा। बुमराह को एजबेस्टन टेस्ट मैच में आराम दिया गया था। ऐसे में तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा का बाहर होना तय है। कृष्णा हेडिंग्ले के बाद एजबेस्टन में भी प्रभावी नहीं रहे हैं। दोनों पारियों को मिलाकर सिर्फ 5 विकेट ले पाए थे। इसके अलावा उन्होंने रन भी काफी दिये। पहली पारी में उन्होंने 128 खर्च किए थे। वहीं एजबेस्टन टेस्ट मैच में कृष्णा को दोनों पारियों में केवल एक विकेट मिला। बर्मिंघम में इंग्लैंड दौरे पर अपना पहला मैच खेलते हुए आकाश दीप सिंह ने दोनों पारियों को मिलाकर कुल 10 विकेट अपने नाम किए हैं। ऐसे में उन्हें बाहर किसे जाने का सवाल ही नहीं है। मो सिराज ने भी अच्छी गेंदबाजी की थी। उन्हें भी तीसरे मैच में जगह मिलना तय है।

विदेश में रनों के लिहाज से भारत की टेस्ट में पांच सबसे बड़ी जीत

नई दिल्ली।

भारत ने एजबेस्टन में खेले गए दूसरे टेस्ट में इंग्लैंड को 336 रन से मात दी। यह विदेशी सरजमीं पर रनों के लिहाज से टीम इंडिया की सबसे बड़ी जीत रही।

आइए, टेस्ट इतिहास में विदेशी धरती पर रनों के आधार पर भारत की सबसे बड़ी पांच जीत के बारे में जानते हैं।

336 रन बनाम इंग्लैंड- बर्मिंघम में 2-6 जुलाई 2025 के बीच खेले गए इस मुकाबले की पहली पारी में टीम इंडिया ने 587 रन बनाए, जिसके जवाब में इंग्लैंड 407 रन ही बना सका। टीम इंडिया ने अगली पारी 427/6 के स्कोर पर घोषित की और इंग्लैंड को उसकी दूसरी पारी में 271 रन पर समेट दिया।

318 रन बनाम वेस्टइंडीज- नॉर्थ साउंड में 22-25 अगस्त 2019 के बीच यह मुकाबला खेला गया था, जिसकी पहली पारी में भारत ने 297 रन बनाए। इसके जवाब में वेस्टइंडीज की पहली पारी 222 रन पर सिमट गई। टीम इंडिया ने दूसरी पारी 343/7 के स्कोर पर घोषित की और वेस्टइंडीज को महज 100 रन पर समेटकर मैच जीत लिया।

304 रन बनाम श्रीलंका- गाले में यह मैच 26-29 जुलाई 2017 के बीच खेला गया था। टीम इंडिया ने शिखर धवन (190) और चेतेश्वर पुजारा (153) की शानदार पारियों के दम पर 600 रन जड़ दिए।

इसके जवाब में श्रीलंकाई टीम 291 रन पर सिमट गई। भारत ने दूसरी पारी 240/3 के स्कोर पर घोषित की और मेजबान टीम को 245 रन पर ऑल आउट कर दिया।

295 रन बनाम ऑस्ट्रेलिया- 22-25 नवंबर 2024 के बीच यह मुकाबला पर्थ में खेला गया था, जिसकी पहली पारी में भारत ने महज 150 रन बनाए। सभी को लग रहा था कि मैच ऑस्ट्रेलिया की पकड़ में है, लेकिन मेजबान टीम की पहली पारी 104 रन पर ही सिमट गई। इसके बाद भारत ने दूसरी पारी 487/6 पर घोषित की और ऑस्ट्रेलिया को 238 रन पर ढेर कर दिया।

विराट ने भारतीय टीम की जीत का श्रेय शुभमन, सिराज और आकाशदीप को दिया

नई दिल्ली।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने इंग्लैंड के खिलाफ मिली 336 रनों की रिकार्ड जीत पर खुशी जताते हुए इसका श्रेय शुभमन गिल के अलावा मोहम्मद सिराज और आकाशदीप सिंह को दिया है। कोहली ने सोशल मीडिया में लिखा , ÷एजबेस्टन में भारत की शानदार जीत। निडरता से खेले और इंग्लैंड पर लगातार दबाव बनाये रखा। शुभमन ने बल्ले और फील्डिंग में शानदार प्रदर्शन किया और सभी खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। सिराज और आकाश ने इस पिच पर जिस तरह की गेंदबाजी की, उसके लिए वह प्रशंसा के पात्र हैं।÷ वहीं शुभमन ने पहली पारी में दोहरा शतक लगाने के बाद दूसरी पारी में 161 रन बनाकर इंग्लैंड को कोई अवसर नहीं दिया। शुभमन इसी के साथ ही एक टेस्ट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बने हैं। वहीं सिराज ने पहली पारी में 6 विकेट लिए। आकाशदीप पहली पारी में 5 विकेट हॉल से एक कदम विकेट से ही दूर थे पर उन्होंने दूसरी पारी में 6 विकेट लेकर कमी पूरी कर दी। आकाशदीप को बेहतरीन प्रदर्शन के लिए बधाई।

इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने शुभमन के दोहरे से 587 रन बोर्ड पर लगाए थे, जिसके बाद मेजबान टीम इंग्लैंड 407 रन ही बना पायी जिससे भारतीय टीम को अच्छी खासी बढ़त मिल गयी थी। जिसका लाभ उठाकर उसने दूसरी पारी में 427 रन बनाकर मेजबान टीम को 608 रनों को बेहद कठिन लक्ष्य दिया था।

अगले माह खेला जाएगा सुपर60 यूएसए लीजेंड्स टूर्नामेंट

नई दिल्ली।

सुपर60 यूएसए लीजेंड्स टूर्नामेंट अगले माह 5 से 16 अगस्त तक अमेरिका में खेला जाएगा। इसमें दुनिया भर के दिग्गज क्रिकेटरों के साथ ही भारत के हरभजन सिंह और कुछ अन्य क्रिकेटर भी शामिल होंगे। इस टूर्नामेंट में हरभजन के अलावा शिखर धवन व रॉबिन उथप्पा भी खेलेंगे। इन सभी पूर्व क्रिकेटरों ने कहा कि इस टूर्नामेंट में खेलने का अवसर मिलने से वह उत्साहित हैं। हरभजन ने कहा, मैं सुपर 60 यूएसए लीजेंड्स टूर्नामेंट का हिस्सा बनकर बेहद खुश हूं। यह एक अनूठा और विशिष्ट प्रारूप है जो खेल में नयापन लाने का वादा करता है। अंतरराष्ट्रीय दिग्गजों की भागीदारी के साथ, यह टूर्नामेंट अमेरिका में क्रिकेट की लोकप्रियता बढ़ाएगा। लोकप्रिय बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। वहींधवन ने कहा, सुपर 60 यूएसए लीजेंड्स टूर्नामेंट में शामिल होना बढ़ते क्रिकेट समुदाय में प्रशंसकों से जुड़ने का एक अच्छा अवसर है। अंतरराष्ट्रीय सितारों और एक नए आकर्षक प्रारूप के साथ इस आयोजन से अमेरिका में क्रिकेट को मुख्यधारा में लाने की राह बनेगी। उथप्पा ने कहा, सुपर 60 यूएसए लीजेंड्स टूर्नामेंट प्रतिस्पर्धा और नवाचार दोनों के मामले में एक बेहतरीन मंच है। इसका अनूठा प्रारूप खेल में एक नया आकर्षण लाता है और नए प्रशंसकों को आकर्षित करने की बहुत संभावना है।

आईसीसी ने जून महीने में 'प्लेयर ऑफ द मंथ' के लिए मार्करम, रबाडा और निसांका के नाम की घोषणा की

दुबई।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज एडेन मार्करम, तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा और श्रीलंका क्रिकेट टीम के उभरते हुए सितारे पथुम निसांका को जून 2025 के लिए पुरुष कैटेगरी में प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कार देने की घोषणा की। आईसीसी ने पुरुष के अलावा महिला प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कार के लिए नामांकित खिलाड़ियों की भी घोषणा की।

मार्कराम ने लॉर्ड्स में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका की ऐतिहासिक जीत में अहम भूमिका निभाई थी। गेंद से स्टीव स्मिथ का महत्वपूर्ण विकेट लेने के बाद, मार्कराम ने शानदार 136 रन बनाकर प्रोटियाज को 282 रनों के लक्ष्य का सफलतापूर्वक पीछा करने में मदद की। वियान मुल्डर और चोटिल कप्तान टेम्बा बावुमा के साथ उनकी साझेदारी ने दक्षिण अफ्रीका को 27 वर्षों में पहली बार आईसीसी पुरुष ट्रॉफी जीतने में मदद की।

रबाडा ने अपनी आक्रामक शैली का जोरदार प्रदर्शन करते हुए आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजी आक्रमण का नेतृत्व किया। उन्होंने पहली पारी में 49 रन देकर 5 विकेट लिए। उन्होंने इस प्रदर्शन के दम पर दक्षिण अफ्रीका के प्रमुख टेस्ट विकेट लेने वालों की सूची में पूर्व गेंदबाज एलन डोनाल्ड को पीछे छोड़ दिया।

रबाडा ने मैच में कुल नौ विकेट लिए और ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों को ज्यादा खुलकर शॉट्स खेलने का मौका नहीं दिया। जिससे ऑस्ट्रेलिया बड़ा स्कोर करने में सफल नहीं हो पाई। पहली पारी में कम स्कोर के बाद दक्षिण अफ्रीका को मुकाबले में बनाए रखने में रबाडा की गेंदबाजी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज में जीत के दौरान पथुम निसांका श्रीलंका के स्टार बल्लेबाज थे। उन्होंने पहले टेस्ट में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 187 रन की पारी खेली और अपनी टीम को मैच ड्रॉ कराने में मदद की और दूसरे टेस्ट में 158 रन बनाकर श्रीलंका को पारी और 78 रन से जीत दिलाई। निसांका ने बेहतरीन निरंतरता और धैर्य दिखाते हुए सीरीज का अंत शीर्ष स्कोरर के रूप में किया।

आईसीसी की ओर से महिला प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कार के लिए दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज ताजमिन ब्रिट्स और दो वेस्टइंडीज मूल की खिलाड़ी, हेले मैथ्यूज और अफी फ्लेचर शामिल हैं।

ब्रिट्स के लिए यह महीना सभी प्रारूपों में प्रभावशाली रहा। उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज में 184 रन बनाए, जिसमें अंतिम मैच में शतक (91 गेंदों पर 101 रन) भी शामिल है, जिसकी मदद से दक्षिण अफ्रीका ने सीरीज 2-1 से अपने नाम की।

टी20 सीरीज में ब्रिट्स ने नाबाद 98 रन बनाकर जोरदार शुरुआत की, लेकिन अगले दो मैचों में उनका प्रदर्शन खराब रहा। टी20 सीरीज में उन्होंने 66 की औसत से 132 रन बनाए।

मैथ्यूज ने वेस्टइंडीज को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज में जीत दिलाई।

संक्षिप्त समाचार

शास्त्री ने सिराज को गेंदबाजी नहीं मिलने पर उठाये सवाल

नई दिल्ली।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने तेज गेंदबाज मो सिराज को दूसरे टेस्ट मैच के अंतिम दिन गेंदबाजी का अवसर नहीं मिलने पर सवाल उठाये हैं। इस मैच में बारिश की बाधा के बाद जब खेल शुरु हुआ तो कप्तान शुभमन ने सिराज को गेंदाबाजी नहीं दी। शास्त्री ने कहा कि वो मैच शुरू होने के बाद चाहते थे कि भारतीय टीम जल्दी विकेट लिए और इसी कारण से वो पहली पारी में 6 विकेट लेने वाले सिराज को गेंदबाजी करते दिखना चाहते थे। इस मैच में कमेंट्री कर रहे शास्त्री ने कहा कि अनुभवी सिराज के गेंदबाजी नहीं मिलने से वह हैरान हुए। शास्त्री बोले, मुझे विश्वास नहीं हो रहा था कि सबसे सीनियर गेंदबाज को गेंदबाजी नहीं दी गयी। सिराज ने पहली पारी में छह विकेट वहीं दूसरी में एक विकेट लिया था। वहीं नये गेंदबाज आकाशदीप को काफी गेंदबाजी मिली। शास्त्री ने जैसे ही इस बात को कहा वैसे ही आकाश दीप ने ओली पोप का विकेट लेकर मैच रोमांचक बना दिया। इंग्लैंड की टीम को इस प्रकार पांचवें दिन खेल शुरू होते ही पहला झटका ओली के रुप में लगा। वह बोल्ड हो गये। इसके बाद आकाश ने अनुभवी जो रुट को भी बोल्ड कर दिया।

मैक्ग्रा का रिकार्ड तोड़ने लियोन को चाहिये एक विकेट

सेंट जॉर्ज।

ऑस्ट्रेलिया स्पिनर नाथन लियोन ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में छह विकेट लिए, इसी के साथ ही उनके टेस्ट क्रिकेट में अब 562 विकेट हो गये हैं। अब लियोन के पास अगले मैच में हमवतन ग्लेन मैक्ग्रा का रिकार्ड तोड़ने का अवसर है। लियोन ने साल 2011 से अब तक 139 टेस्ट मैचों में 562 विकेट लिए हैं। वहीं मैक्ग्रा ने 1993-2007 तक 124 टेस्ट मैच में 563 विकेट लिए थे। वहीं दिग्गज स्पिनर लेग स्पिनर शेन वॉर्न 1992-2007 तक 145 टेस्ट मैच में 708 विकेट लेकर सबसे अधिक विकेट लेने वाले ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज हैं। सूची में टॉप पर हैं. लियोन ने दूसरी पारी में तीन विकेट लेते हुए वेस्टइंडीज के खिलाफ अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने पहली पारी में 75 रन देकर तीन विकेट लिए थे। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को चौथे दिन ही 133 रन से हराकर सीरीज पर कब्जा कर लिया। ऑस्ट्रेलिया ने चौथे दिन वेस्टइंडीज को 34.3 ओवर में 143 रन पर आउट कर तीन टेस्ट मैच की सीरीज में 2-0 की बढ़त हासिल की थी।

दिल्ली प्रीमियर लीग में सहवाग के बेटे आर्यवीर को मिली मोटी रकम, सबसे महंगे बिके सिमरजीत

नई दिल्ली।

दिल्ली प्रीमियर लीग क्रिकेट (डीपीएल) के लिए यहां हुई नीलामी में पूर्व क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग के बड़े बेटे आर्यवीर सहवाग को मोटी रकम मिली है। आर्यवीर को सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने 8 लाख रुपये में खरीदा पर सहवाग के छोटे बेटे वेदांत पर किसी भी टीम ने बोली नहीं लगायी। सहवाग दूसरे सत्र के लिए हुई नीलामी में अपने दोनों बेटों को लेकर पहुंचे थे। ये दोनों ही दिल्ली की ओर से जूनियर क्रिकेट खेलते हैं। नीलामी टेबल पर वेदांत का नाम पहले आया पर किसी ने भी उनपर बोली नहीं लगाई। इसके कुछ समय बाद ही आर्यवीर का नाम नीलामी में आया। आर्यवीर कई बार अपनी अच्छी बल्लेबाजी के लिए चर्चाओं में आये हैं। साल 2024 में आर्यवीर ने कूच बेहार ट्रॉफी में मेघालय के खिलाफ शानदार 297 रन बनाए थे।

वहीं सिमरजीत सिंह को नीलामी में सबसे अधिक रकम मिली है उन्हें सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने 39 लाख रुपये में खरीदा। सिमरजीत आईपीएल नीलामी में सनराइजर्स हैदराबाद में शामिल रहे हैं। वह चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस में भी शामिल रहे हैं। इसके अलावा अनुभवी नितीश राणा वेस्ट दिल्ली लायंस से खेलेंगे। राणा को लायंस ने 34 लाख रुपये में खरीदा है। अनुभवी तेज गेंदबाज इशांत शर्मा को भी लायंस ने 13 लाख रुपये में खरीदा।

आर्यवीर सहवाग के लिए वीरू ने कही थे ये बात

सहवाग ने पिछले साल कहा था कि आर्यवीर आईपीएल में खेलने के लिए अवसर की तलाश कर रहा है। सहवाग ने कहा था कि आईपीएल से युवा खिलाड़ियों को बड़ा मंच मिला है। सहवाग ने कहा कि पहले रणजी ट्रॉफी में अच्छे प्रदर्शन के बाद भी किसी का ध्यान आपकी तरफ नहीं जाता था पर अब आईपीएल में बेहतर

प्रदर्शन के आधार पर ही अवसर मिल जाता है। वहीं स्पिनर वेदांत ने इस साल की शुरुआत में विजय मर्चेंट ट्रॉफी में अच्छी गेंदबाजी करते हुए 5 मैचों में 24 विकेट लिए थे पर इसके बाद भी उन्हें डीपीएल में अवसर नहीं मिला।

विकेट से भारतीय टीम को अधिक लाभ हुआः स्टोक्स

बर्मिंघम।

इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने दूसरे टेस्ट में मिली करारी हार के बाद कहा कि मैच आगे बढ़ने के साथ ही पिच भारतीय टीम के अधिक अनुकूल हो गयी। वहीं टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी के फैसले का बचाव करते हुए स्टोक्स ने कहा, यह एक कठिन मुकाबला था। 200 रनों पर आधी टीम के आउट होने की स्थिति में आपको लगता है कि आप मजबूत हैं पर जैसे-जैसे खेल आगे बढ़ा, यह एक ऐसा विकेट बन गया जो हमारी जगह भारतीय टीम के लिए ज्यादा अनुकूल होता चला गया। स्टोक्स ने पहली पारी में भारतीय टीम से 180 रन से पिछड़ने और और गिल के अलावा अन्य भारतीय बल्लेबाजों की पारियों को हार की वजह माना। उन्होंने माना कि अगर पहली पारी में 200 पर 5 विकेट गिराने के बाद हम भारतीय टीम को जल्दी आउट कर देते तो फिर तस्वीर अलग हो सकती थी। वहीं इंग्लैंड के गेंदबाजों के अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाने को लेकर स्टोक्स ने कहा, मैं यह नहीं कहूंगा कि यह चिंता का विषय है। हमने रन बनाए, हमने सब कुछ करने की कोशिश की, हमने योजनाएं बदलीं पर जब कोई टीम अपने शीर्ष पर होती है तो स्थित अलग होती है। शुभमन गिल ने अविश्वसनीय प्रदर्शन किया। वहीं अपने शीर्ष क्रम की असफलता पर स्टोक्स ने कहा, यह हमेशा कठिन होता है। जब आप मैदान में समय बिताते हैं, तो आपका शरीर और दिमाग थक जाता है। दिन के अंत में बल्लेबाजी करते हुए खुद को पाना एक कठिन स्थिति है। हम फिर से उस स्थिति में होंगे और यह हम पर निर्भर है कि हम उस स्थिति से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें। स्टोक्स ने कहा कि विकेटकीपर बल्लेबाज जेमी स्मिथ ने दोनों पारियों में 184 और 88 रन बनाए। वह बल्ले से बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने अपना स्वाभाविक खेल खेला और अपने लक्ष्य पर अड़े रहे। जो हमारे लिए सकारात्मक पक्ष रहा।

विराट ने भारतीय टीम की जीत का श्रेय शुभमन, सिराज और आकाशदीप को दिया

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने इंग्लैंड के खिलाफ मिली 336 रनों की रिकार्ड जीत पर खुशी जताते हुए इसका श्रेय शुभमन गिल के अलावा मोहम्मद सिराज और आकाशदीप सिंह को दिया है। कोहली ने सोशल मीडिया में लिखा , ÷एजबेस्टन में भारत की शानदार जीत। निडरता से खेले और इंग्लैंड पर लगातार दबाव बनाये रखा। शुभमन ने बल्ले और फील्डिंग में शानदार प्रदर्शन किया और सभी खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। सिराज और आकाश ने इस पिच पर जिस तरह की गेंदबाजी की, उसके लिए वह प्रशंसा के पात्र हैं।÷ वहीं शुभमन ने पहली पारी में दोहरा शतक लगाने के बाद दूसरी पारी में 161 रन बनाकर इंग्लैंड को कोई अवसर नहीं दिया। शुभमन इसी के साथ ही एक टेस्ट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बने हैं। वहीं सिराज ने पहली पारी में 6 विकेट लिए। आकाशदीप पहली पारी में 5 विकेट हॉल से एक कदम विकेट से ही दूर थे पर उन्होंने दूसरी पारी में 6 विकेट लेकर कमी पूरी कर दी। आकाशदीप को बेहतरीन प्रदर्शन के लिए बधाई। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने शुभमन के दोहरे से 587 रन बोर्ड पर लगाए थे, जिसके बाद मेजबान टीम इंग्लैंड 407 रन ही बना पायी जिससे भारतीय टीम को अच्छी खासी बढ़त मिल गयी थी। जिसका लाभ उठाकर उसने दूसरी पारी में 427 रन बनाकर मेजबान टीम को 608 रनों को बेहद कठिन लक्ष्य दिया था।

भारत के संजोग गुप्ता बने आईसीसी के नये सीईओ

बर्मिंघम।

भारत के संजोग गुप्ता अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के नये मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) बने हैं। संजोग ने साल 2021 से ही सीईओ रहे ऑस्ट्रेलिया के ज्योफ एलार्डिस की जगह ली है। संजोग आईसीसी के सातवें सीईओ हैं। उनसे पहले भारतीय मूल के केवल मनु साहनी ही सीईओ रहे हैं। संजोग के पास लंबा अनुभव है। उन्हें इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अलावा आईसीसीटूर्नामेंट्स, प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) और इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) जैसे बड़े खेल आयोजनों का भी अनुभव है। आईसीसी चेयरमेन जय शाह नेकहा, संजोग को स्पोर्ट्स प्लानिंग और व्यवसायीकरण का लंबा अनुभव है। उनका क्रिकेट के प्रति जुनून और तकनीक की समझ इस खेल के वैश्विक विस्तार में अहम भूमिका निभाएगा। हमारा भी प्रयास है कि क्रिकेट को ओलंपिक जैसे मंचों पर नियमित रूप से स्थान मिले।

जय शाह कहते हैं, हमने इस पद के लिए कई उम्मीदवारों पर विचार किया पर नामांकन समिति ने सर्वसम्मति से संजोग की सिफारिश की।

आईसीसी बोर्ड के निदेशक भी उनके साथ मिलकर काम करने के लिए उत्साहित हैं और मैं आईसीसी में सभी की ओर से उनका स्वागत करना चाहता हूं।

आईसीसी ने इस पद के लिए मार्च महीने में चयन प्रक्रिया शुरु की थी। इसके लिए 25 देशों से 2500 से अधिक आवेदन आए। फिर नामांकन समिति ने सर्वसम्मति से संजोग का चयन किया। वहीं संजोग गुप्ता ने कहा, यह जिम्मेदारी मिलना मेरे लिए सौभाग्य की बात है।

विशेषकर तब जब क्रिकेट वैश्विक स्तर पर तेजी से विस्तार कर रहा है और उसे लॉस एंजेलिस ओलंपिक 2028 में जगह मिली है।

भारतीय टीम हर क्षेत्र में बेहतर रही, आकाशदीप ने अंतर पैदा कियाः स्टोक्स

बर्मिंघम।

इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स ने माना है कि भारतीय टीम हर क्षेत्र में उनसे बेहतर रही और इसी कारण उसे बड़ी जीत मिली है। स्टोक्स ने कहा कि तेज गेंदबाज आकाशदीप ने अपने आसाधारण प्रदर्शन से मैच में अंतर पैदा किया। आकाशदीप ने इस मैच में कुल 10 विकेट लेकर मेजबान टीम की कमर तोड़ दी। पांच मैच की सीरीज अब 1-1 से बराबर है और तीसरा टेस्ट 10 जुलाई से लॉर्ड्स में खेला जाएगा। स्टोक्स ने कहा, ''मुझे लगता है कि आकाशदीप ने पिच पर पड़ी दरार का अच्छा इस्तेमाल किया। लगातार कोण बदलने और उसका उपयोग करने की उसकी क्षमता अद्भुत है और इसके बाद भी वह सटीक है। वह उस दरार पर ध्यान केंद्रित कर रहा था। आज सुबह हैरी ब्रूक जिस गेंद पर आउट हुआ उस पर कोई भी बल्लेबाज कुछ नहीं कर सकता था।'' उन्होंने कहा, ''जब जेमी स्मिथ ने शुरुआत में कुछ रन बनाए, तब मैं दूसरे छोर पर खड़ा था। गेंद एक फुट की दूरी पर थी। आकाश ने जिस तरह से क्रीज पर कोण बदलते हुए गेंदबाजी की। उससे पता चलता है कि वह विश्व स्तरीय कौशल वाला गेंदबाज है।'' साथ ही कहा कि उनी टीम ड्रॉ में विश्वास नहीं करती पर माना कि इस मैच में लक्ष्य असंभव था। उन्होंने कहा, ''300 या इससे अधिक रन से हारना वास्तव में बहुत बड़ा अंतर है। जब हम बल्लेबाजी करने उतरे तो हमें पता था कि हमारे सामने क्या चुनौती है। वहीं पहले तीन विकेट और आज सुबह दो क्रिकेट जल्दी खोने से सब कुछ बदल गया।''

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मूंगफली और बादाम से बनाएं स्वादिष्ट और पौष्टिक व्यंजन

सर्दियों का मौसम चल रहा है, ऐसे में मूंगफली और बादाम जैसी चीजें सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होती हैं। मूंगफली और बादाम से आप कई तरह के स्वादिष्ट और पौष्टिक व्यंजन बना सकते हैं। आइए जानते हैं इनके कुछ खास रेसिपीज़, जिन्हें आप आसानी से घर पर बना सकते हैं।

1. मूंगफली-बादाम हलवा

सामग्री
मूंगफली : 100 ग्राम
बादाम : 50 ग्राम
घी : 2 चम्मच
दूध : 1 कप
चीनी : स्वादानुसार
इलायची पाउडर : 1 चुटकी
विधि
मूंगफली और बादाम को हल्का भूनकर पीस लें। एक पैन में घी गर्म करें और इसमें मूंगफली-बादाम का पाउडर डालकर भूनें। इसमें दूध और चीनी डालें और धीमी आंच पर पकाएं। जब हलवा गाढ़ा हो जाए, तो इसमें इलायची पाउडर डालें।

गरमागरम हलवा तैयार है, इसे परोसें।

सामग्री
मूंगफली : 100 ग्राम
काजू : 50 ग्राम
आलू : 2 उबले हुए
हरी मिर्च : 1 बारीक कटी हुई
अदरक पेस्ट : 1 चम्मच
नमक : स्वादानुसार
तेल : टिक्का तलने के लिए
विधि मूंगफली और काजू को पीसकर पेस्ट बना लें। इसमें आलू, हरी मिर्च, अदरक पेस्ट और नमक मिलाकर टिक्की का मिश्रण तैयार करें। टिक्की का आकार देकर तेल में सुनहरा होने तक तलें। गरमागरम टिक्का हरी चटनी के साथ परोसें।

3. शकरकंद-मूंगफली चाट

सामग्री
शकरकंद : 2 उबले हुए
मूंगफली : 50 ग्राम भुनी हुई
हरा धनिया : 1 चम्मच
नींबू का रस : 1 चम्मच
नमक और चाट मसाला : स्वादानुसार
विधि
शकरकंद को छोटे टुकड़ों में काट लें। इसमें भुनी मूंगफली, हरा धनिया, नींबू का रस, नमक और चाट मसाला डालकर अच्छे से मिलाएं। तैयार चाट को तुरंत परोसें।

4. पीनट बटर

सामग्री
मूंगफली : 1 कप
शहद : 1 चम्मच
तेल : 1 चम्मच (ऑप्शनल)
विधि
मूंगफली को हल्का भूनकर छिलका उतार लें। मूंगफली को मिक्सर में पीस लें। इसमें शहद और तेल डालें और फिर से ब्लेंड करें। क्रीमी टेक्सचर आने तक पीसते रहें। आपका घर का बना पीनट बटर तैयार है। इसे ब्रेड या रोटी के साथ खाएं। मूंगफली या पीनट बटर खरीदते समय मिलावट का ध्यान रखें। हमेशा ब्रांडेड और भरोसेमंद स्रोत से ही खरीदारी करें।

आम की गुठली से बनाएं टेस्टी और क्रिस्पी मुखवास, स्वाद में होंगे बेहतरीन

आप आम की गुठली की सहायता से टेस्टी डिश बनाई जा सकती है। आज हम आपके साथ आम की गुठली के अंदर के बीज से चटपटे लच्छे बनाने की रेसिपी के बारे में बताने जा रहे हैं। यह काफी टेस्टी और क्रिस्पी होते हैं।

गर्मियों में फलों का राजा आम हर किसी को खाना पसंद होता है। इसमें कई विटामिन्स और मिनरल्स पाए जाते हैं, जो स्वास्थ्य को तंदुरुस्त रखते हैं। हालांकि लोग आम खाने के बाद लोग गुठली को फेंक देते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आम की गुठली भी कम फायदेमंद नहीं होती है। बल्कि आप आम की गुठली की सहायता से टेस्टी डिश बनाई जा सकती है। आज हम आपके साथ आम की गुठली के अंदर के बीज से चटपटे लच्छे बनाने की रेसिपी के बारे में बताने जा रहे हैं। यह काफी टेस्टी और क्रिस्पी होते हैं। इसको मुखवास के नाम से भी जाना जाता है।

सामग्री
4 से 5 आम की गुठली
लाल मिर्च पाउडर
भुना जीरा पाउडर
चाट मसाला
काला और सफेद नमक
करें ये काम

सबसे पहले 4-5 आम की गुठली को अच्छे से धोकर बेकिंग ट्रे पर रखें। अब इसको 180 सेल्सियस पर करीब 10 से 15 मिनट के लिए माइक्रोवेव में पकाएं। बेक करने से यह कड़क हो जाएगा और आराम से कट जाएगा। फिर इस गुठली के अंदर से आपको बीज निकालें। अब कुकर में बीज और पानी डालकर 2 सीटी आने तक पकाएं। फिर बीज की स्किन निकालकर इसको लंबे-लंबे स्लाइस में काटें।

ऐसे बनाएं गुठली के लच्छे

सबसे पहले एक पैन में तेल गर्म कर लें। अब इन बीज के स्लाइल्स को हल्का रोस्ट कर लें। अब इसके ऊपर से भुना जीरा पाउडर, चाट मसाला, लाल मिर्च पाउडर, काला नमक, नॉर्मल नमक डालें। इसको टॉस देने के बाद हल्का मिला दें। इस तरह से आम की गुठली से बना चटपटा लच्छा तैयार हो जाएगा।

किचन में सिंक से आ रही है तेज बदबू, कॉफी का यह आसान नुस्खा आएगा काम

अमूमन हम सभी को यह समझ ही नहीं आता कि इस बदबू से निजात पाने के लिए क्या किया जाए, तो अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। अगर आप चाहें तो अपनी मॉर्निंग कॉफी की मदद से अपनी इस समस्या का हल कर सकती हैं।

किचन में सिंक एक ऐसी जगह होती है, जिसमें गंदे बर्तन व झूठा बचा हुआ होता है। जिसकी वजह से अक्सर किचन सिंक से गंदी बदबू आती है। जब सिंक से बदबू आने लगती है तो पूरी किचन में ही वह बदबू फैलते देर नहीं लगती है। भले ही आप अपनी किचन को कितना भी आर्गेनाइज्ड व साफ-सुथरा रखती हों, लेकिन अगर सिंक से बदबू आ रही है तो ऐसे में आपकी सारी मेहनत बर्बाद होते देर नहीं लगती।

अमूमन हम सभी को यह समझ ही नहीं आता कि इस बदबू से निजात पाने के लिए क्या किया जाए, तो अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। अगर आप चाहें तो अपनी मॉर्निंग कॉफी की मदद से अपनी इस समस्या का हल कर सकती हैं। कॉफी आसपास की गंध को सोखने और उसे फ्रेश बनाने में मददगार है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि आप कॉफी की मदद से किचन सिंक की गंदी बदबू को किस तरह दूर करें-

आपको किन-किन चीजों की जरूरत होगी-

इस्तेमाल की हुई कॉफी
उबला हुआ पानी
बेकिंग सोडा
नींबू रस या सिरका
कॉफी को किस तरह इस्तेमाल करें-

सबसे पहले सुबह कॉफी बनाने के बाद उसके ग्राउंड्स को फेंकने की जगह थोड़ा ठंडा होने दो। इसे पूरी तरह से सूखने मत दो।

अब इसमें एक चम्मच बेकिंग सोडा उस कॉफी में मिलाओ। इससे पाइप की भी हल्की सफाई हो जाएगी और बदबू भी अच्छे से हटेगी।

अब आप 2-3 चम्मच कॉफी का मिक्स सिंक के ड्रेन में डाल दो।

आप इसे ज़्यादा ना डालें, नहीं तो पाइप जाम हो सकता है।

अब एक केतली पानी उबालें और फिर उस उबलते हुए पानी की डाल दो।

इससे कॉफी नीचे बहेगी और गंदगी भी साफ़ होगी। फ्रेशनेस की खुशबू तुरंत महसूस होगी।

अगर बदबू बहुत ज़्यादा है तो कॉफी डालने के बाद थोड़ा नींबू रस या सिरका डाल दो, फिर गर्म पानी डालो।

कितनी बार इस्तेमाल करें

किचन सिंक की बदबू को दूर करने और उसे फ्रेश बनाए रखने के लिए हफ्ते में एक बार करना काफी है। ध्यान रखें कि रोज़ या बहुत ज़्यादा कॉफी डालना पाइप ब्लॉक कर सकता है, इसलिए लिमिट में करो।

इस बात का रखें ध्यान

अगर तुम्हारे घर का पानी धीरे बहता है या पहले से ड्रेनेज धीमा है, तो ये ट्रिक ना आज़माएं। साथ ही, हर बार ढेर सारा गर्म पानी डालना ज़रूरी है ताकि कॉफी नीचे ठीक से जाए।

परफेक्ट तरीके से बेसन लड्डू बनाने के लिए फॉलो करें ये टिप्स

बेसन के लड्डू बाते समय घी डालने की टाइमिंग भी काफी मैटर करती है। कई बार लोग घी में पहले ही सारा घी डाल देते हैं। लेकिन आप स्टार्टिंग में थोड़ा घी डालो ताकि बेसन अच्छे से भुने। इसके बाद आप बीच में ही थोड़ा-थोड़ा करके घी डालते रहो।

ऐसे बहुत से लोग होते हैं, जिन्हें मीठा खाना काफी पसंद होता है। अक्सर वे ना केवल बाजार से मिठाई लाकर खाते हैं, बल्कि

घर पर भी मीठा बनाते हैं। अगर आप भी मीठे के दीवाने हैं और बेसन के लड्डू आपके फेवरिट हैं तो मुंह में घुल जाने वाली इस मिठाई को खुद घर पर ही बना सकते हैं। बेसन के लड्डू बनाना काफी आसान है, लेकिन इस सिंपल सी दिखने वाली रेसिपी में भी कई बार लड्डू बनाते वक्त कुछ छोटी-छोटी गलतियां हो जाती हैं। कभी बेसन जल जाता है, तो कभी लड्डू अच्छी तरह से बंधते नहीं है।

हो सकता है कि आप भी घर पर बेसन के लड्डू बना रहे हों और आपके सामने यही दिक्कतें आ रही हों। ऐसे में आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही छोटे-छोटे टिप्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें आप घर पर बेसन के लड्डू बनाते समय फॉलो कर सकते हैं-

तेज आंच पर ना भूनें बेसन

अक्सर यह देखने में आता है कि जब लोग बेसन के लड्डू बनाते हैं तो बेसन को तेज आंच पर भूनने लग जाते हैं। हालांकि, ऐसा करने से बेसन भूनने की जगह जलने लगता है। इसलिए, आपको हमेशा धीमी आंच पर ही बेसन को भूनना चाहिए। जब हल्की सी खुशबू आए और बेसन का रंग सुनहरा होने लगे, तो समझे कि बेसन अच्छी तरह से भूनने लगा है।

सही समय पर डालें घी

बेसन के लड्डू बाते समय घी डालने की टाइमिंग भी काफी मैटर करती है। कई बार लोग घी में पहले ही सारा घी डाल देते हैं। लेकिन आप स्टार्टिंग में थोड़ा घी डालो ताकि बेसन अच्छे से भुने। इसके बाद आप बीच में ही थोड़ा-थोड़ा करके घी डालते रहो।

बैटर को ठंडा ना होने दें

बेसन के लड्डू में शक्कर अच्छी तरह घुल जाए, इसके लिए जरूरी है कि आपका भुना हुआ बेसन हल्का गरम ही हो। अगर आपका बेसन एकदम ठंडा हो जाएगा तो इससे उसमें शक्कर अच्छी तरह मिक्स नहीं होता है। वहीं, अगर आप गरम बेसन में शक्कर मिक्स करते हैं तो इससे लड्डू भी बाइंड अच्छी तरह होंगे। साथ ही, इस बात का भी ख्याल रखें कि आप दानेदार चीनी की जगह बूरा या फिर पिसी हुई शक्कर डालकर मिक्स करें। दानेदार शक्कर का इस्तेमाल करने से लड्डू खाते समय वह मुंह में किरकिरा महसूस होगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हिमाचल प्रदेश में बादल फटने से तबाही: थुनांग का इकलौता बैंक बहा, लॉकर में दबे करोड़ों के गहने और दस्तावेज

मंडी।

हिमाचल प्रदेश में लगातार हो रही भारी बारिश और बादल फटने की घटनाओं ने कई जिलों में भारी तबाही मचाई हुई है। मंडी, सिरमौर और कांगड़ा जिलों में हालात सबसे ज्यादा गंभीर बने हुए हैं। बीते पांच दिनों में हुई घटनाओं में अब तक 78 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 37 लोग अभी भी लापता हैं। 115 लोग घायल बताए जा रहे हैं और राहत-बचाव कार्य युद्धस्तर पर जारी है। मौसम विभाग ने मंडी, कांगड़ा और सिरमौर में एक बार फिर रेड अलर्ट जारी किया है।

इस प्राकृतिक आपदा की सबसे मार्मिक तस्वीर मंडी जिले के थुनांग कस्बे से आई है, जहां हिमाचल को-ऑपरेटिव बैंक की दो मंजिला इमारत पूरी तरह मलबे में दब चुकी है। थुनांग बाजार के बीचोंबीच स्थित यह बैंक इस इलाके का इकलौता बैंक था, जहां कस्बे के करीब 150 व्यापारियों और हजारों ग्रामीणों के खाते थे। बैंक की पहली मंजिल पूरी तरह तबाह हो चुकी है।

शटर उखड़ गए हैं और बैंक के अंदर सैकड़ों टन मलबा और पानी भरा हुआ है। बैंक मैनेजर और कर्मचारी बाहरी हिस्से में खड़े होकर नुकसान का अंदाजा लगाने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि बैंक लॉकरों में रखे करोड़ों रुपये के गहनों और नकदी का अता-पता नहीं चल पा रहा है।

चोरी की आशंका से पहरा दे रहे ग्रामीण

बैंक कर्मचारियों के अनुसार, मलबा हटने के बाद ही असली नुकसान का आकलन हो सकेगा। वहीं, चोरी की आशंका को देखते हुए स्थानीय लोग बैंक के बाहर पहरा दे रहे हैं। बैंक कर्मचारी का कहना था, कि अंदर कितनी नकदी और कितने गहने थे, यह तो रिकॉर्ड में है, लेकिन उनकी स्थिति क्या है, यह मलबा हटने के बाद ही पता चल सकेगा।

कारोबार ठप, व्यापारियों में चिंता

स्थानीय व्यापारी हरि मोहन शर्मा ने बताया कि यह बैंक पिछले कई वर्षों से कस्बे की 8,000 की आबादी की आर्थिक रीढ़ था। अब लेन-देन ठप है। बैंक के लॉकर, दस्तावेज और खाता-बही सब मिट्टी में मिल गए हैं। सरकार को यहां जल्द कार्रवाई करनी चाहिए, वरना ग्रामीणों की पूरी जमा पूंजी खतरे में है।

एनडीआरएफ की टीम बचाव में जुटी

बादल फटने के बाद आई बाढ़ और भूस्खलन की घटनाओं से अनेक घर बह गए, कई सड़कें टूट

गईं और संचार सेवाएं बाधित हो गई हैं। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें लगातार मलबे से लोगों को निकालने में जुटी हैं। सरकार ने मृतकों के परिजनों को 4 लाख रुपये की सहायता राशि देने की घोषणा की है, जबकि घायलों का इलाज मुफ्त किया जा रहा है।

सरकार से मांग

स्थानीय पंचायत और व्यापारी संघ ने हिमाचल सरकार और केंद्र से बैंक के पुनर्निर्माण, ग्राहकों की सुरक्षा, और लॉकरों में रखी संपत्ति के सुरक्षित पुनर्प्राप्ति के लिए विशेष राहत पैकेज की मांग की है।

संक्षिप्त समाचार

रियाद से दिल्ली आ रही एअर इंडिया की फ्लाइट हुई डायवर्ट, वजह स्पष्ट नहीं

नई दिल्ली।

रियाद (सऊदी अरब) से दिल्ली आ रही एअर इंडिया की फ्लाइट एआई-926 को अचानक जयपुर एयरपोर्ट पर डायवर्ट कर दिया गया। यह विमान रविवार शाम 5 बजे के बाद रियाद से रवाना हुआ था और इसका निर्धारित आगमन समय रात 1 बजे दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर था। हालांकि, दिल्ली पहुंचने से पहले ही विमान को जयपुर में उतार दिया गया। एयरपोर्ट सूत्रों के मुताबिक, डायवर्जन की वजह फिलहाल स्पष्ट नहीं है। एअर इंडिया ने इस संबंध में अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है।

यात्रियों में असमंजस, एयरलाइन की चुप्पी

फ्लाइट के डायवर्ट होने की सूचना मिलने के बाद यात्रियों और उनके परिजनों में चिंता फैल गई। दिल्ली एयरपोर्ट पर फ्लाइट का इंतजार कर रहे परिजन अचानक स्टेटस में बदलाव देखकर परेशान हो गए। सोशल मीडिया पर भी यात्रियों ने जानकारी न दिए जाने को लेकर नाराजगी जताई है। राहत की बात यह रही कि जयपुर में विमान की सुरक्षित लैंडिंग हो गई और सभी यात्री सुरक्षित बताए गए हैं।

इस बार पड़ेगी जबरदस्त ठंड, चार जेब वाली जैकेट, फैशन के साथ ठंड का मुकाबला

लुधियाना।

लुधियाना की होजरी इंडस्ट्री कई महीने पहले से ही वस्त्र निर्माण के काम में जुट जाती है। इस बार ज्यादा बारिश होगी, ज्यादा ठंड भी पड़ेगी। इसको देखते हुए विंटर सीजन के लिए फैशन और कारोबार दोनों को ध्यान में रखते हुए ठंड के वस्त्रों का निर्माण कार्य शुरू हो गया है। फिरोजपुर रोड के एक होटल में तीन दिन की एक प्रदर्शनी लगी। इस प्रदर्शनी में जेंट्स,लेडीज और बच्चों के कपड़ों के नए-नए डिजाइन प्रस्तुत किए गए हैं। पहली बार भारत में नए फैब्रिक और यूरोपीय ट्रेंड्स को ध्यान में रखते हुए वस्त्र तैयार किया जा रहे हैं। जेंट्स के लिए कामो फैब्रिक से चार पैकेट वाली यूरोपीय जैकेट कई डिजाइन में तैयार किया जा रहे हैं । वही लेडिस के लिए थ्री पीस श्रग पेंट तैयार किया जा रहे हैं। लुधियाना की फैब्रिक इंडस्ट्री ने इस बार बच्चों के लिए भी विदेश से आयातित सॉफ्ट यार्न से हल्के वजन के कपड़े तैयार किये जा रहे हैं। इस बार ठंड में लुधियाना के होजरी निर्माताओं के निर्मित नए-नए कलेक्शन भारत के सभी मार्केट में देखने को मिलेंगे। 80 फ़ीसदी उनी कपड़े लुधियाना में ही तैयार होते हैं।

अचानक रुकी ट्रेन, यात्री पहुंचे गार्ड के डिब्ब में देखा तो सभी बेसुध मिले

नई दिल्ली।

दिल्ली से सहारनपुर के बीच में चलने वाली पैसेंजर ट्रेन अपने गंतव्य को जा रही थी। दिल्ली से ठीकठाक चली। सभी निर्धारित स्टेशनों पर रुकते हुए चल रही थी। ट्रेन में ज्यादातर डेली पैसेंजर सवार थे। इन पैसेंजरों का पता होता कि ट्रेन किस समय कौन से स्टेशन पर पहुंचेगी और कहां पर कितनी देर ठहराव होगा? इस दौरान बागपत के अलावलपुर हॉल्ट में ट्रेन रुक गयी। यात्री को लगा कि कोई दूसरी ट्रेन का पास (पहले गुजारना) होगा, इसलिए रुकी होगी, लेकिन काफी देर तक कोई ट्रेन दोनों ओर से नहीं आयी। कुछ यात्री उतरकर नीचे आ गए। इस कुछेक यात्रियों की नजर गार्ड के डिब्बे में पड़ी। उसमें किसी तरह की हलचल नहीं हो रही थी। क्योंकि जब ट्रेन बीच में या किसी हॉल्ट में खड़ी हो जाती है, गार्ड ट्रेन डिब्बे से लटककर आगे की ओर नजर दौड़ता है। लेकिन गार्ड नहीं दिख रहा था। यात्रियों को पहले लगा कि हो सकता है कि गार्ड कोई काम कर रहा होगा, लेकिन ज्यादा देर तक दिखा तो यात्रियों को शक हुआ। कुछ यात्री भागकर गार्ड डिब्बे की ओर गए। पहले नीचे से आवाज दी लेकिन कोई जवाब नहीं आया तो ऊपर चढ़ अंदर चले गए। अंदर का सीन देखकर यात्री हैरान हो गए। ट्रेन के गार्ड नशे में धुत पड़े हुए थे। उनको होश नहीं था। लोगों ने झट से इसका वीडियो बनाया। वीडियो में एक बोतल भी दिखाई गयी है, जो शराब की बताई जा रही है। इस वजह से ट्रेन करीब 40 मिनट तक खड़ी रही। इसके बाद ट्रेन आगे की ओर रवाना हुई।

भगवान जगन्नाथ को पहनाए गए 208 किलो के स्वर्णाभूषण

पुरी।

भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा को आज रथयात्रा के विशेष अवसर पर 208 किलो वजन के स्वर्णाभूषणों से श्रृंगारित किया गया। इस दिव्य आयोजन को 'सुनाबेश' कहा जाता है, जो रथयात्रा के दौरान आषाढ़ शुक्ल एकादशी को होता है। श्रद्धालु शाम 6:30 बजे से रात 11 बजे तक इस अलौकिक दर्शन का लाभ उठा सकेंगे। यह आयोजन न केवल धार्मिक महत्व का है, बल्कि भव्यता और सांस्कृतिक परंपरा का प्रतीक भी माना जाता है। जानकारी अनुसार सुनाबेश की परंपरा की शुरुआत सन् 1460 में राजा कपिलेंद्र देव के काल में हुई थी। ऐतिहासिक विवरणों के अनुसार, उन्होंने दक्षिण भारत के युद्धों में विजयी होकर 16 बैलगाड़ियों में सोने के आभूषण लाकर भगवान को अर्पित किए थे। उसी समय से यह भव्य श्रृंगार परंपरा में शामिल हो गया। पुरी का श्री जगन्नाथ मंदिर सिर्फ आस्था का केंद्र ही नहीं, बल्कि यहां वैभवशाली संपदा भी है। ओडिशा के 24 जिलों में इसकी 60,426 एकड़ भूमि है, वहीं पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, आंध्रप्रदेश, बिहार और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में भी करीब 395 एकड़ भूमि मौजूद है।

महाराष्ट्र में समुद्र तट पर दिखी संदिग्ध नाव, नौसेना समेत पुलिस अलर्ट

अधिकारियों को पाकिस्तानी नाव होने का शक

रायगढ़।

पुलिस और समुद्री सुरक्षा एजेंसियों ने महाराष्ट्र में रायगढ़ जिले के रेवदांडा तट के पास एक संदिग्ध नाव की तलाश ली, जिसे संभवत- मछली पकड़ने वाली पाकिस्तानी नौका बताया जा रहा है।

मीडिया के मुताबिक अधिकारियों ने सोमवार को जानकारी देते हुए बताया कि रविवार रात को भारतीय नौसेना के रडार पर यह नाव रेवदांडा में कोरलाई तट से करीब दो समुद्री मील दूर दिखी थी।

उन्होंने बताया कि यह मछली पकड़ने वाली पाकिस्तानी नौका है, लेकिन नाव का पता लगाने के बाद ही इसकी पहचान और अन्य विवरणों की पुष्टि होगी। अधिकारी ने पहले बताया था कि ऐसा शक है कि नाव बहकर रायगढ़ तट तक आ गई।

नाव देखे जाने के बाद रायगढ़ तट पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। उन्होंने बताया कि सूचना मिलने के बाद रायगढ़ पुलिस, बम निरोधक दस्ते, त्वरित प्रतिक्रिया बल, नौसेना और तटरक्षक बल के जवान रात को मौके पर पहुंचे और तलाशी अभियान चलाया। भारी बारिश और तेज हवाओं के चलते रात में नाव तक पहुंचने में कठिनाई हुई।रिपोर्ट में अधिकारी ने बताया कि रायगढ़ की एसपी निगरानी के लिए वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ तट पर पहुंचीं।

उन्होंने बताया कि एसपी ने खुद एक नौका के जरिए संदिग्ध नाव तक पहुंचने की कोशिश की लेकिन खराब मौसम के कारण उन्हें लौटना पड़ा।

उन्होंने बताया कि इलाके में भारी पुलिस दल तैनात है और एहतियातन तौर पर जिले में सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

स्पेस स्टेशन से शुभांशु शुक्ला ने परिजनों को दिखाया सूर्यादय का नजारा....घरवाले हुए रोमांचित

घरवालों से बात करते-करते 20 मिनट में दोपहर हो गई

लखनऊ।

भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला ने इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) से लखनऊ में रहने वाले अपने परिवार से सैटेलाइट के द्वारा बात की। स्पेस स्टेशन का सीन दिखाया। इस दौरान वहां हुए सूर्यादय को भी दिखाया। घरवालों से बात करते-करते वहां 20 मिनट में दोपहर भी हुई। बातचीत के दौरान उनके घरवाले काफी रोमांचित महसूस कर रहे थे।

शुभांशु ने घरवालों को बताया कि शुरुआत के 3 दिन सिर में भारीपन और असहजता महसूस हुई। लेकिन, अब खुद को वहां के माहौल में ढाल चुके हैं। खुद को बांधकर कभी छत, तब कभी दीवार से चिपककर सोते हैं। सोते कहीं और हैं और जगते कहीं और हैं। जो टारगेट उन्हें मिला है, वह समय पर पूरा हो जाएगा। वहीं शुभांशु के पिता शंभू दयाल शुक्ला ने बताया कि करीब 15 मिनट तक हमारी वीडियो कॉल हुई। पूरा परिवार जुड़ा था। शुभांशु ने हमें अपने स्टेशन की लैब, सोने की जगह, काम करने की तकनीक और डाइनिंग सेटअप तक सब कुछ दिखाया। हमने पूछा कि आप सोते कैसे हो? इसपर शुभांशु ने बताया कि हम लोग खुद को बेल्ट से बांध लेते हैं, वर्ना फ्लोट करने लगते हैं। उन्होंने सूर्योदय का नजारा भी दिखाया, जो बेहद शानदार था। अपने मिशन की प्रगति, लैब में हो रहे रिसर्च और दैनिक गतिविधियों की जानकारी भी दी।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्र पहुंची कंगना पर भड़क उठी महिला.....अब सिर्फ फोटो खिंचाने आई हो क्या

मंडी।

हिमाचल के मंडी में बाढ़ प्रभावित क्षेत्र सराज पहुंचीं भाजपा सांसद व बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनोट पर एक महिला भड़क उठी। महिला ने कंगना से कहा कि अब सिर्फ फोटो खिंचाने आई हो क्या। इस पर कंगना ने महिला से कहा कि सारे लोग कंगना-कंगना बोलते रहते हैं। मेरे पास कौन सी कोई कैबिनेट है? मेरे पास मेरे 2 भाई हैं, जो मेरे साथ चलते रहते हैं। न ही मेरे पास कोई राहत कोष आता। मैं स्पेशल पैकेज लेकर आऊंगी, लेकिन उस कोष को भी कांग्रेस सरकार डकार जाएगी। मंडी में 30 जून की रात से लेकर अब तक 16 जगह बादल फट चुके हैं। बाढ़ में बहने से 14 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 28 लोग अभी भी लापता हैं। बाढ़ से

हुए नुकसान के बाद पहली बार मंडी से सांसद कंगना प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर रही हैं।

इतना ही नहीं कंगना अपने दौरे से पहले सोशल मीडिया पर ट्रोल हुई थीं।

कंगना ने एक्स पर लिखा था कि मैं मंडी क्षेत्र का दौरा कर रही थी। तभी मेरी गाड़ी पर पत्थर आकर गिरा। यह टाइम हिमाचल में यात्रा के लिए सही नहीं है। इसके बाद लोगों ने मंडी में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में दौरा न करने पर कंगना सवाल उठाने शुरू कर दिए। इस पर जब पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर से सवाल किया गया, तब उन्होंने कहा, मुझे मालूम नहीं है। मैं इस बारे में टिप्पणी नहीं करना चाहता। हम लोग हैं, हम लोग उन लोगों के साथ जीने मरने के लिए हैं, जिनका कन्सर्न है, जिनका नहीं है, उनके बारे में मैं टिप्पणी नहीं करना चाहता।

होशियारपुर में भीषण सड़क हादसे में 7 लोगों की मौत, 17 से ज़्यादा लोग गंभीर रूप से घायल

होशियापुर।

पंजाब के होशियारपुर जिले में सोमवार सुबह भीषण सड़क हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि 17 से ज़्यादा लोग गंभीर रूप से घायल हुए। यह हादसा अड्डा सगरां के पास हुआ, जब एक यात्रियों से भरी बस सामने से आ रही कार से टकराने के बाद बेकाबू होकर पलट गई। दुर्घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और आसपास के लोग मदद के लिए तुरंत जुट गए। बस के मलबे में फंसे यात्रियों को बाहर निकालने के लिए जेसीबी मशीन का सहारा लेना पड़ा। मृतकों में एक बच्चा भी शामिल है। कार में सवार लोगों को मामूली चोटें आई हैं, जबकि बस में सवार अधिकांश यात्री गंभीर रूप से घायल हैं। घायलों में से 15 से ज़्यादा लोगों को गंभीर हालत में अमृतसर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में बस की तेज़ रफ्तार को हादसे का कारण बताया जा रहा है। बस का ड्राइवर भी गंभीर रूप से घायल हुआ है। पुलिस मृतकों की पहचान करने और घायलों के

परिवार वालों को सूचित करने में जुटी है। इस मामले में एफआईआर दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है।

एक प्रत्यक्षदर्शी के अनुसार, दुर्घटना इतनी भीषण थी कि बस के अंदर से महिलाओं और बच्चों की चीखें सुनाई दे रही थीं, और कई लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी। दसूहा सिविल अस्पताल के सीएमओ डॉ. मनमोहन सिंह ने बताया कि उनके पास कई गंभीर रूप से घायल मरीज पहुंचे, जिसमें से प्राथमिक तौर पर 3 लोग मृत पाए गए, जिसमें एक छोटा बच्चा भी शामिल था, और कुछ ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

भारत का पाकिस्तान नहीं असली दुश्मन चीन, 10 अलग-अलग मोर्चों पर दे रहा चुनौती

नई दिल्ली।

भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव जगजाहिर है, लेकिन भारत का असली दुश्मन चीन है, जो लगातार 10 अलग-अलग मोर्चों पर भारत को चुनौती दे रहा है। हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान डिप्टी आर्मी चीफ लेफ्टिनेंट जनरल राहुल आर सिंह ने खुलासा किया कि पाकिस्तान सिर्फ एक मोहरा है, जबकि असली खेल चीन खेल रहा है।

जनरल सिंह ने स्पष्ट किया कि यदि चीन ने सहायता नहीं की होती तब पाकिस्तान भारत के सामने एक दिन भी नहीं टिक पाता। लेकिन चीन पाकिस्तान को मदद कर रहा हैं,जबकि भारत को लगातार परेशान कर रहा है।

अब भारतीय सेना ने चीनी मूल के कलपुर्जों के इस्तेमाल पर कड़ा रुख अपनाया है। आर्मी डिज़ाइन ब्यूरो के एडीजी मेजर जनरल सीएस मान ने साफ किया कि भविष्य में किसी भी सैन्य प्रणाली, खासकर ड्रोन सिस्टम में चीनी पुर्जों का इस्तेमाल नहीं होगा। यह कदम भारत की आंतरिक सुरक्षा में चीन की दखलअंदाजी को खत्म करने की दिशा में उठाया गया है।

वहीं चीन केवल सीमाओं पर ही नहीं, बल्कि कूटनीतिक मोर्चों पर भी भारत को घेरने में लगा हुआ है।

बांग्लादेश में मोहम्मद यूनुस के सत्ता में आने के बाद चीन ने ढाका में अपना प्रभाव बढ़ाया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, यूनुस ने सिलीगुड़ी कॉरिडोर के पास एक पुराने एयरबेस को चीन को सौंपने की मंशा जाहिर की है, इससे भारत की पूर्वी सुरक्षा को खतरा हो सकता है।

इस लेकर सरकार को सेना पूरी तरह से सतर्क हो गए है। 3,488 किलोमीटर लंबी भारत-चीन सीमा पर, खासकर लद्दाख, उत्तराखंड, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश में, अक्सर चीन के साथ तनाव देखा जाता है। चीन न केवल सैन्य तनाव पैदा करता है, बल्कि सीमावर्ती क्षेत्रों में अवैध निर्माण कर भारत की सुरक्षा को चुनौती दे रहा है। नेपाल और भूटान जैसे भारत के मित्र देशों की सीमाओं पर भी ड्रैगन की बुरी नजर है। चीन हमेशा भारत के पड़ोसी मुल्कों को धमकाता रहता है।

हिंद महासागर और बंगाल की खाड़ी में भी चीन अपनी उपस्थिति बढ़ा रहा है। चीन का जहाज शियांग यांग होंग 03 भारत के समुद्री परीक्षण क्षेत्रों के आसपास मंडरा रहा था। इसके अलावा, दक्षिण चीन सागर में सैन्य निर्माण कर चीन क्षेत्रीय वर्चस्व स्थापित करना चाहता है, जिससे भारत के रणनीतिक हित प्रभावित हो सकते हैं।

इतना ही नहीं भारत और चीन के बीच बढ़ता व्यापार घाटा भी चिंता का विषय है। वित्त वर्ष 2024-25 में यह घाटा 99 अरब डॉलर तक पहुंच गया।

राजस्थान पुलिस ने कुख्यात डकैत धन सिंह के दो साथियों को गिरफ्तार किया

अजमेर।

राजस्थान पुलिस द्वारा चलाए जा रहे इनामी बदमाशों की धरपकड़ के अभियान के तहत टीम को बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस ने कुख्यात डकैत धन सिंह उर्फ धनसा के दो साथियों को गिरफ्तार किया है। इसमें से एक बदमाश प्रहलाद सिंह पर अजमेर के आदर्शनगर और क्रिश्चियनगंज थाने सहित जिले के विभिन्न थानों में कुल 7 मामले दर्ज हैं। जबकि दूसरे बदमाश विजेंद्र सिंह पर जिले के थानों में कुल 9 मामले दर्ज हैं।

पुलिस के मुताबिक फरियादी रामपाल पुत्र गोपाल बागरिया ने बीते साल शिकायत थी कि टांटोटी स्थित प्लॉट पर कब्जा होने के बाद नकली कागज से धोखाधड़ी की गई। जब वह अपने प्लॉट पर गया, वहां धनसिंह, विजेंद्र सिंह, गोपाल सिंह, नवलसिंह टांटोटी और दो अन्य व्यक्तियों ने बहस की।

धनसिंह दो गाड़ियों में बदमाशों के साथ आया और आते ही गोलियां चला दी। एक गोली फरियादी को लगी। विजेंद्र सिंह के कान पर सरिया मारा। गोपाल सिंह ने पत्थर मारे। इस शिकायत के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया था। पुलिस ने गोपालसिंह, नवलसिंह निवासी टांटोटी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। फिलहाल ये जमानत पर हैं।

पुलिस ने बताया कि जिला स्पेशल टीम के प्रभारी को मुखबिर से सूचना मिली कि वांछित आरोपी विजेंद्र सिंह अजमेर में नारीशाला रोड की तरफ घूम रहा है। मुखबिर की सूचना पर टीम गठित कर आरोपी विजेंद्र सिंह निवासी पीपरोली को डिटेन किया। उस पकड़ कर जब सराना थाने ले जा रहे थे तब दूसरा इनामी बदमाश प्रहलाद सिंह निवासी पीपरोली को भी गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार अपराधियों से फरारी काटने और अन्य मामलों में शामिल होने संबंधित पूछताछ की जा रही है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने रियो डी जेनेरियो पहुंचे PM मोदी

रियो डी जनेरियो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को ब्राजील के रियो डी जनेरियो के गैलेओ इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पहुंच गए। वह राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा के निमंत्रण पर यहां हैं ताकि ब्रिक्स के 17वें शिखर सम्मेलन में हिस्सा ले सकें। यह उनकी चौथी ब्राजील यात्रा है।

1. ब्रिक्स सम्मेलन की तैयारियां
सम्मेलन 6-7 जुलाई को विकसित हो रहा है और इसका मुख्य विषय है-।
पहले विदेश मंत्री स्तर पर विवाद के बाद इस बार सभी सदस्यों ने एक जोहिक घोषणा-पत्र पर सहमति बनाई, जिसमें गाज़ा, इज़राइल-ईरान तनाव, अफ्रीका की हस्ष्ट प्रतिनिधित्व की मांग और अमेरिकी संरक्षणवाद की आलोचना जैसे मुद्दों शामिल हैं।

2. द्विपक्षीय वार्ताएं
सम्मेलन के साथ-साथ पीएम मोदी ब्राजीलिया में राष्ट्रपति लूला से भी मुलाकात करेंगे। प्रमुख चर्चा के मुद्दे होंगे-
रक्षा और अंतरिक्ष सहयोग।
हरित ऊर्जा और जैव ईंधन
डिजिटल तकनीक और जन संपर्क।
यूएन सुरक्षा परिषद सुधार- त्न4 की पहल पर भी सहमति बनी है।

3. भारत-ब्राज़ील रणनीतिक साझेदारी
2024 की त्न20 अध्यक्षता में भारत का नेतृत्व मॉडल बनकर सामने आया और इसका असर ब्राज़ील के त्न20 एजेंडा पर भी देखा गया। आईबीएसए फोरम के माध्यम से दोनों देश दक्षिण-दक्षिण सहयोग को भी मजबूत कर रहे हैं।

4. भूटान-दक्षिण दौरे की तैयारियां
यह यात्रा मोदी-जी की 10 वर्षों में सबसे लंबी विदेश यात्रा है, जिसमें पांच देशों - घाना, ट्रिनिदाद एंड टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राज़ील और नामीबिया - की यात्रा शामिल है।
ब्राज़ील यात्रा के बाद उनका अगला पड़ाव नामीबिया में होगा, जहां वे संसद में संबोधन करेंगे और द्विपक्षीय समझौतों पर चर्चा करेंगे।

ट्रंप और मेलानिया का रोमांटिक अंदाज, व्हाइट हाउस की बालकनी पर डांस और Kiss वायरल

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और फर्स्ट लेडी मेलानिया ने व्हाइट हाउस की ट्रूमन बालकनी से इंडिपेंडेंस डे की आतिशबाजी देखी। इसी दौरान उन्होंने एक-दूसरे को गले लगाया, किस किया और साथ में 'ट्रम्प डांस' किया, जिससे संपूर्ण कार्यक्रम में एक रोमांटिक और जोशीला माहौल बन गया। ट्रंप ने धमाकेदार अंदाज़ में हिप स्वे और फिस्ट-पंच मूव्स के साथ अपना प्रसिद्ध डांस स्टेप दोहराया, जिसे मेलानिया ने भी नजाकत से अपनाया—वे उनके कंधे से हाथ ऊपर-नीचे लहराकर झूमती नजर आईं। समारोह के दौरान ब्रास बैंड और .रूष्ट.. जैसे लोकप्रिय गाने बजाए गए—संगीत के साथ ट्रंप ने ताल से ताल मिलाकर अपने डांस मूव्स दिखाए। आतिशबाजी के साथ, ट्रंप और मेलानिया एक-दूसरे को किस करने में पीछे नहीं रहे—भीड़ ने "aww" की आवाजों और तालियों के साथ उनका अभिनंदन किया। सोशल प्लेटफ़ॉर्म पर वायरल वीडियो ने लोगों के दिल छू लिए—ट्रंप समर्थकों ने लिखा- एक सच्चा नेता और अमेरिकन लोगों के लिए !मेलानिया के लिए खास तारीफें भी आईं-वह बिल्कुल ग्लो कर रही थीं—पहली पारी में कभी ऐसा नहीं दिखा। उनके सहज रूप और नृत्य की तुलना करते हुए कुछ ने लिखा- इसे देखकर पता चलता है नेताओं में भी दिल होता है। दिन की शुरुआत मिलिट्री पार्टियों और वेटरन्स के लिए पिकनिक के साथ हुई, जिसमें B2 बमवर्षक और जेट फ्लाईओवर भी शामिल था।

माली में अगवा हुए भारतीय के परिवार से अल-कायदा से जुड़े आतंकी संगठन ने फिरौती की मांग की

माली। पश्चिम अफ्रीका के माली में अगवा हुए भारतीय के परिवार से अल-कायदा से जुड़े संगठन ने फिरौती की मांग की है। अगवा किए तीन भारतीयों में से एक ओडिशा के रहने वाले पी. वेंकटरमण के बहनोई ने शनिवार को एएनआई को बताया -वेंकट ने आखिरी बार मुझे 30 जून को फोन किया था। वह पश्चिम अफ्रीका के माली में एक सीमेंट फैक्ट्री में काम करता था। उसने बताया कि उसकी कंपनी ने उन्हें बाहर जाने से रोक दिया है, क्योंकि आतंकवादियों ने वहां हमला कर दिया है। उन्होंने कहा- हमें कंपनी से फोन आया कि वह पुलिस की हिरासत में हैं। इसके बाद समाचार में दावा किया गया है कि अल-कायदा ने कुछ लोगों का अपहरण कर लिया है। हमने कंपनी को फोन किया, और पुष्टि की। उन्होंने हमें यह बात सरकार को बताने से मना कर दिया और कहा कि आतंकवादी लोगों के बदले में फिरौती मांग रहे हैं। वेंकटरमन के बहनोई ने भारत सरकार से वेंकटरमण को सुरक्षित घर वापस लाने की अपील की है। इस बीच, विदेश मंत्रालय ने माली में भारतीय श्रमिकों के अपहरण पर गहरी चिंता जताई।साथ ही पश्चिम अफ्रीकी देश के अधिकारियों से उनकी सुरक्षित और शीघ्र रिहाई सुनिश्चित करने का आग्रह किया है। दरअसल, 1 जुलाई को माली के सीमेंट फैक्टरी पर आतंकियों ने हमला कर 3 भारतीयों को किडनैप कर लिया था।

ट्रंप को अब सीधी टक्कर देंगे एलन मस्क
नए दल का किया ऐलान, नाम रखा- अमेरिका पार्टी

वाशिंगटन। अमेरिका की राजनीति में तीसरे दल की संभावनाओं को लेकर जारी अटकलों के बीच टेस्ला और स्पेसएक्स के मालिक एलन मस्क ने शुक्रवार को औपचारिक रूप से एक नई राजनीतिक पार्टी अमेरिका पार्टी के गठन का ऐलान कर दिया। यह घोषणा मस्क ने एक्स पर एक दिन पहले पार्टी को लेकर कराए गए पोल के बाद की है।

अपने पोस्ट में एलन मस्क ने लिखा, ÷2¯1 के अंतर से आपने नया राजनीतिक दल चाहा और आपको मिलेगा! आज अमेरिका पार्टी बनाई जा रही है ताकि आपकी आजादी आपको लौटाई जा सके।÷

यह ऐलान ऐसे समय पर हुआ है जब एलन मस्क और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच तनाव अपने चरम पर है। कभी ट्रंप के करीबी माने जाने वाले मस्क ने हाल ही में उनकी महा खर्चीली 'वन बिग ब्यूटीफुल बिल' की तीखी आलोचना की थी।

एलन मस्क ने ट्रंप के पिछले चुनाव प्रचार के दौरान करोड़ों डॉलर की मदद की थी। उनके कार्यकाल में बनी "Department of Government Efficiency" (DOGE) के प्रमुख भी रहे थे। लेकिन ट्रंप द्वारा हाल ही में बड़े पैमाने पर टैक्स कट और खर्चे वाले बिल पर हस्ताक्षर करने के बाद दोनों के बीच संबंध पूरी तरह टूट गए। एलन मस्क ने उस विधेयक को अमेरिका के लिए खतरा करार दिया और ऐलान किया कि वे उन सांसदों के खिलाफ खुलकर चुनावी लड़ाई में पैसे झोंकेंगे, जिन्होंने बिल को समर्थन दिया।

इसके जवाब में ट्रंप ने धमकी दी कि वे एलन मस्क की कंपनियों को मिलने वाली सरकारी सब्सिडी बंद कर सकते हैं। यहां तक कि उन्होंने यह कह दिया कि वे एलन मस्क को अमेरिका से निर्वासित करने पर विचार कर सकते हैं।

अमेरिका की स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर एलन मस्क ने एक्स पर एक पोल जारी किया था। उन्होंने लोगों से पूछा था, ÷क्या आप अमेरिका की दो-दलीय व्यवस्था से आजादी चाहते हैं?÷ इस पोल में 12 लाख से अधिक यूजर्स ने भाग लिया और भारी बहुमत से अपना समर्थन दिया।

रिपब्लिकन पार्टी को आशंका है कि एलन मस्क और डोनाल्ड ट्रंप के बीच यह 'पब्लिक ब्रेकअप' उनकी पार्टी को 2026 के मिड-टर्म चुनावों में भारी नुकसान पहुंचा सकता है। अगर एलन मस्क अपने प्रभावशाली तकनीकी नेटवर्क और धनबल से रिपब्लिकन उम्मीदवारों के खिलाफ उतरते हैं तो पार्टी की संसदीय बहुमत खतरे में पड़ सकती है।

एलन मस्क ने फिलहाल अपनी नई पार्टी के विस्तृत एजेंडे का खुलासा नहीं किया है, लेकिन उन्होंने यह साफ किया है कि यह पार्टी राजनीतिक स्वतंत्रता और सिस्टम से आजादी की बात करेगी। दोनों प्रमुख दलों (रिपब्लिकन और डेमोक्रेट्स) की विफलताओं को चुनौती देगी। टैक्सपेयर के पैसों के इस्तेमाल, शासन कुशलता और टेक्नोलॉजी आधारित गवर्नेंस पर फोकस करेगी।

इजरायल से युद्ध के बाद पहली बार दिखे अली खामनेई, कहां छिपे थे ईरान के सुप्रीम लीडर?

तेहरान। इजरायल से युद्ध शुरू होने के बाद पहली बार ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई शनिवार को एक सार्वजनिक कार्यक्रम में दिखे हैं। वह आशूरा से जुड़े एक शोक समारोह में शामिल हुए। खामेनेई के सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आने से नेतृत्व पर सवाल उठने लगे थे।

ईरानी राज्य टेलीविजन ने अशूरा के मौके पर आयोजित एक बड़े धार्मिक कार्यक्रम की फुटेज प्रसारित की, जिसमें खामेनेई काले पारंपरिक वस्त्रों में कार्यक्रम स्थल में प्रवेश करते दिखाई दिए। उपस्थित लोगों ने 'लब्बैक या हुसैन' के नारे लगाए और उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

यह सार्वजनिक उपस्थिति 13 जून को शुरू हुई जंग के बाद पहली बार है, जब खामेनेई किसी जनसमूह के बीच नजर आए। इस दौरान उन्होंने कोई प्रत्यक्ष बयान नहीं दिया था और ना ही किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में दिखे ते। उन्होंने रिकॉर्डेड वीडियो संदेशों के जरिए ही जनता से संवाद किया था।

क्यों छिपे थे खामेनेई?

ईरानी अधिकारियों ने पहले कहा था कि खामेनेई की गैर-मौजूदगी सुरक्षा कारणों से थी। युद्ध के पहले कुछ दिनों में जब इजरायली हवाई हमले अपने चरम पर थे, तब उनकी सुरक्षा को सर्वोपरि मानते हुए उन्हें सार्वजनिक उपस्थिति से दूर कर दिया गया। विपक्ष और अंतरराष्ट्रीय विश्लेषकों के बीच यह चर्चा जोरों पर थी कि खामेनेई किसी बंकर या सुरक्षित स्थान पर हैं। हालांकि, ईरानी प्रशासन ने बार-बार यह स्पष्ट किया कि वे स्वस्थ और नियंत्रण में हैं।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि खामेनेई की यह सार्वजनिक वापसी न केवल उनकी सुरक्षा के प्रति आत्मविश्वास को दर्शाती है, बल्कि यह ईरान की जनता और विरोधियों के लिए एक प्रतीकात्मक संदेश भी है। यह संदेश देने की कोशिश है ईरान का नेतृत्व जंग के बावजूद स्थिर और सक्रिय है।

तुर्किये में लोकतंत्र पर वार! विपक्ष के 3 बड़े महापौर एक साथ गिरफ्तार

अंताल्या। दक्षिणी तुर्किये के तीन प्रमुख शहरों के महापौरों को शनिवार को गिरफ्तार कर लिया गया। सरकारी मीडिया की खबर में यह जानकारी दी गई है। मार्च में इस्तांबुल के महापौर को जेल में डाले जाने के बाद से हिरासत में लिए गए विपक्षी नेताओं की संख्या बढ़ती जा रही है। समाचार एजेंसी 'अनादोलु की खबर के अनुसार अदियामन के महापौर अब्दुर्रहमान टुटडेरे और अदाना नगरपालिका के प्रमुख जेदान करालार को सुबह छापेमारी में हिरासत में लिया गया। दोनों मुख्य विपक्षी दल रिपब्लिकन पीपुल्स पार्टी या सीएचपी के सदस्य हैं।

खबर के अनुसार अंताल्या के सीएचपी महापौर मुहितिन बोसेक को अंताल्या के मुख्य लोक अभियोजक कार्यालय द्वारा एक अलग रिश्वतखोरी जांच में दो अन्य संदिग्धों के साथ गिरफ्तार किया गया। सीएचपी अधिकारियों को इस वर्ष गिरफ्तारियों का सामना करना पड़ा है। कई लोगों का मानना है कि तुर्किये की मुख्य विपक्षी पार्टी को बेअसर करने के उद्देश्य से ऐसा किया जा रहा है। सरकार इस बात पर जोर देती है कि अभियोजक और न्यायपालिका स्वतंत्र रूप से काम करें, लेकिन इस्तांबुल के महापौर एक्रेम इमामोग्लू की गिरफ्तारी के कारण सड़कों पर व्यापक स्तर पर प्रदर्शन हुआ।

पाकिस्तान में पेट्रोल-डीजल कारों की लाइफ कितनी?

इस्लामाबाद। दिल्ली सरकार ने वायु प्रदूषण से निपटने के लिए पुराने वाहनों पर सख्त रुख अपनाया है। अब राजधानी में 15 साल पुराने पेट्रोल और 10 साल पुराने डीज़ल वाहनों में ईंधन भरने पर बैन लगा दिया गया है। यह नियम ऑटोमेटेड नंबर प्लेट रिकॉग्निशन कैमरों की मदद से लागू किया जा रहा है। इस कदम का मकसद दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते वायु प्रदूषण को कम करना है। हालांकि इस नियम से लोगों में नाराज़गी है लेकिन दिल्ली सरकार का कहना है कि यह कदम लोगों की सेहत के लिए ज़रूरी है।यह सवाल उठ रहा है कि क्या पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान में भी इस तरह का कोई नियम है और वहाँ पेट्रोल तथा डीज़ल कारों को लेकर क्या प्रावधान हैं।

पाकिस्तान में भी है पुरानी गाड़ियों पर प्रतिबंध

पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान पहले से ही अत्यधिक महंगाई का सामना कर रहा है जहाँ आटे, तेल, दाल, चावल और गैस सिलेंडर जैसे मूलभूत सामानों के दाम आसमान छू रहे हैं। हाल ही में पेट्रोल और डीज़ल की कीमतों में भी उछाल आया है जिससे आम लोगों पर गहरा असर पड़ा है। पाकिस्तान में पेट्रोल और डीज़ल कारों के संबंध में कोई खास विस्तृत निर्देश तो नहीं हैं लेकिन कुछ सामान्य दिशा-निर्देश ज़रूर हैं जो कार की उम्र और इस्तेमाल को प्रभावित करते हैं।

कितने समय तक चला सकते हैं डीज़ल-पेट्रोल गाड़ियाँ?

पाकिस्तान में भी पेट्रोल और डीज़ल कारों की अधिकतम उम्र क्रमशः 15 और 10 साल निर्धारित की गई है। 15 साल से पुरानी पेट्रोल कारें और 10 साल से पुरानी डीज़ल कारों को एंड ऑफ लाइफ वाहन माना जाता है। इन वाहनों को सार्वजनिक रूप से सड़कों पर चलाने की अनुमति नहीं है। इसका मतलब है कि 10 साल से ज़्यादा की डीज़ल कारें और 15 साल से पुरानी पेट्रोल कारें चाहे उनकी फिटनेस कैसी भी हो पाकिस्तान में प्रतिबंधित हैं।

इलेक्ट्रिक वाहनों पर बढ़ रहा विचार

पड़ोसी मुल्क में लगातार बढ़ती महंगाई और पेट्रोल-डीज़ल के आसमान छूते दामों की वजह से वहाँ भी लोग अब इलेक्ट्रिक और सीएनजी वाहनों को अपनाने पर विचार कर रहे हैं। यह स्थिति दर्शाती है कि पर्यावरणीय चिंताएँ और आर्थिक दबाव दोनों ही देशों को पुराने वाहनों से दूरी बनाने और वैकल्पिक ईंधन स्रोतों की ओर बढ़ने के लिए मजबूर कर रहे हैं।

अमेरिका बारिश, बाढ़ : गर्ल्स कैंप डूबा, 27 लड़कियां लापता
ड्रोन-हेलिकॉप्टर से तलाश; गवर्नर बोले- बाढ़ फिर आ सकती है

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका के टेक्सास राज्य में शुक्रवार को भारी बारिश के बाद ग्वाडालूप नदी में अचानक आई बाढ़ से 51 लोगों की मौत हो गई। नदी के पास लड़कियों का एक समर कैंप था, जो बाढ़ की चपेट में आ गया। कैंप में मौजूद 750 लड़कियों को बचाया गया। जबकि लगभग 27 लड़कियां लापता हैं। अधिकारियों ने बताया कि टेक्सास के सैन एंटोनियो से लगभग 15 इंच (38 सेमी) तक बारिश हुई। महज 45 मिनट में नदी का लेवल 26 फीट (8 मीटर) बढ़ गया, जिससे घर और गाड़ियां बह गईं।

टेक्सास के गवर्नर डैन पैट्रिक ने बताया- बाढ़ का खतरा अभी भी बरकरार है। रेस्क्यू टीमें काम कर रही है। जिसमें नौ बचाव दल, 14 हेलिकॉप्टर और 12 ड्रोन शामिल है। अभी तक 850 से ज्यादा लोगों को बचाया भी गया है। पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट कर टेक्सास में आई विनाशकारी बाढ़ के कारण बच्चों की मौत पर दुख जताया। उन्होंने पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त की।

अभी भी अचानक बाढ़ का खतरा बरकरार : टेक्सास के गवर्नर ग्रेग एबॉट ने बाढ़ के हालात को देखते हुए इमरजेंसी हालात की चेतावनी बरकरार रखा है। ग्रेग एबॉट ने कहा- हम लापता लोगों की तलाश में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। यह ऑपरेशन लगातार 24 घंटे तक चलता रहेगा। हम हर एक को ढूंढ निकालेंगे।

वहीं दूसरी तरफ अधिकारियों के मुताबिक, टेक्सास के सैन एंटोनियो के आसपास भारी बारिश के बीच 1,000 से ज्यादा रेस्क्यू वर्कर्स लापता लोगों की तलाश में जुटे हैं। फ्लैश फ्लड (अचानक बाढ़) की चेतावनी अभी बनी हुई है।

बाढ़ से 2600 घरों की बिजली गुल

बारिश की वजह से नदी ने लोकल नाले और जलमार्गों को उफान पर ला दिया, जिससे सड़कें डूब गईं। ट्रेलर और वाहन बह गए। सैन एंटोनियो की इमरजेंसी टीमों ने हेलिकॉप्टर और ड्रोन के जरिए तलाश और बचाव कार्य शुरू किया है।

इलाके में मौजूद लोगों ने लोकल मीडिया को बताया कि बाढ़ का पानी अचानक आया और उन्हें पेड़ों पर चढ़कर जान बचानी पड़ी। बाढ़ की वजह से बिजली लाइनें गिर गईं और कर्विल के आसपास के इलाकों में लगभग 2,600 घरों की बिजली गुल हो गई।

डोनाल्ड ट्रंप की सुरक्षा में चूक, गोल्फ क्लब के ऊपर आया विमान

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सुरक्षा में भारी चूक की घटना सामने आई है। अमेरिकी वायु रक्षा एजेंसी नॉर्थ अमेरिकन एयरोस्पेस डिफेंस कमांड ने शनिवार को एक नागरिक विमान को स्न-16 फाइटर जेट की मदद से इंटरसेप्ट किया। यह विमान पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बेडमिंस्टर स्थित गोल्फ क्लब के ऊपर से उड़ान भर रहा था, जो कि उस समय अस्थायी नो-फ्लाई जोन घोषित किया गया था। NORAD के मुताबिक, यह दिन भर में पांचवीं ऐसी घुसपैठ थी। इंटरसेप्ट के दौरान F-16 ने हेडबट रणनीति अपनाई, जिसमें लड़ाकू विमान नागरिक विमान के आगे उड़ता है ताकि उसकी ओर ध्यान आकर्षित हो सके। इसके बाद विमान को सुरक्षित रूप से वर्जित हवाई क्षेत्र से बाहर निकाल दिया गया।

आपको बता दें कि राष्ट्रपति ट्रंप इन दिनों छुट्टियां मनाने के लिए न्यू जर्सी में हैं। उनकी मौजूदगी के चलते यह हवाई क्षेत्र अस्थायी रूप से प्रतिबंधित किया गया था। हालांकि, अधिकारियों ने बताया कि इस घटना से ट्रंप की सुरक्षा या कार्यक्रम पर कोई असर नहीं पड़ा।

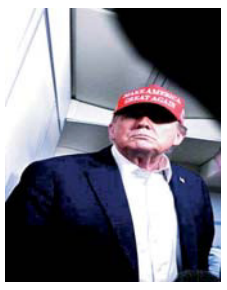

इससे पहले मार्च महीने में भी फ्लोरिडा में उनके निवास मार-ए-लागो के ऊपर नो-फ्लाई जोन का उल्लंघन हुआ था। तब भी स्न-16 विमानों को भेजा गया था और फ्लेयर छोड़कर नागरिक विमान को चेतावनी दी गई थी।

NORAD ने बढ़ती घटनाओं पर चिंता जताई है और सभी पायलटों से आग्रह किया है कि वे उड़ान भरने से पहले NOTAMs (नोटिस टू एयरमेन) और ञ्जस्नक्र (टेम्परी फ्लाइट रेस्ट्रिक्शन) की जानकारी अवश्य लें। कमांडर जनरल ग्रेगरी गिलॉट ने कहा, ÷TFR नियमों का पालन आवश्यक है ताकि विमानन सुरक्षा, राष्ट्रीय सुरक्षा और राष्ट्रपति की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।जनवरी 2025 से अब तक ऐसी कई घटनाएं सामने आई हैं, जिनमें नागरिक विमानों ने जानबूझकर या अनजाने में नो-फ्लाई जोन का उल्लंघन किया है। अधिकतर मामलों में पायलटों को उचित जानकारी न होने के कारण ये घटनाएं होती हैं। आपको बता दें कि अमेरिका में गर्मी छुट्टी और स्वतंत्रता दिवस के कारण हाल के हफ्तों में निजी विमानों की आवाजाही बढ़ी है, जिससे इन क्षेत्रों में सतर्कता और भी जरूरी हो गई है।

दुनिया भर में घट रही है प्रजनन दर, रूस ही नहीं ये देश भी बच्चे पैदा करने के लिए दे रहे हैं प्रोत्साहन

मास्को। रूस के कुछ हिस्सों में गर्भवती होने वाली स्कूल की लड़कियों को एक लाख रूबल (करीब 1,08,500 रुपये से) अधिक का भुगतान किया जा रहा है, ताकि वे बच्चों को जन्म दें और उनका पालन-पोषण करें। इसे प्रोनैटलिज्म कहा जाता है। यह प्रोत्साहन रूस की नई जनसांख्यिकीय रणनीति का हिस्सा है। यह नीति मार्च 2025 में वयस्क महिलाओं के लिए लागू की गई थी और इसका उद्देश्य देश की जन्म दर में हो रहे नाटकीय गिरावट पर अंकुश लगाना है।

2023 में रूस में प्रति महिला जन्म की संख्या 1.41 थी, जो जनसंख्या को स्थिर रखने के लिए जरूरी 2.05 के स्तर से काफी कम है। किशोर लड़कियों को बच्चों को जन्म देने के लिए पैसे देना रूस में विवादास्पद है।

हालिया सर्वेक्षण के अनुसार, 43 प्रतिशत

रूसी नागरिकों ने इस नीति का समर्थन किया है, जबकि 40 प्रतिशत इसके खिलाफ हैं। यह इस बात का संकेत है कि राज्य बच्चों की संख्या बढ़ाने को कितनी प्राथमिकता देता है।

युद्ध की वजह से घटी रूस की जनसंख्या रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन एक बड़ी जनसंख्या को एक समृद्ध महान शक्ति के संकेतों में से एक मानते हैं। हालांकि, यूक्रेन पर हमले और उसके क्षेत्र पर कब्जा करने के प्रयासों ने रूस की जनसंख्या को घटाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। युद्ध में मारे गए रूसी सैनिकों की संख्या 2,50,000 तक पहुंच गई है। हालांकि युद्ध की वजह से बड़ी संख्या में शिक्षित रूसी नागरिक देश छोड़ की चले गए हें।

रूस की जनसांख्यिकीय स्थिति अत्यंत गंभीर है, लेकिन जन्म दर में गिरावट अब एक वैश्विक प्रवृत्ति बन गई है। अनुमान है कि 2050 तक दुनिया के तीन चौथाई से अधिक देशों में इतनी कम प्रजनन दर होगी कि वे अपनी जनसंख्या को बनाए नहीं रख पाएंगे।

पुतिन अकेले नहीं हैं। विश्व के अन्य नेता भी महिलाओं को अधिक बच्चे पैदा करने के लिए प्रोत्साहित करने वाली नीतियां लागू कर रहे हैं। हंगरी में विक्टर ओर्बन की सरकार तीन या अधिक बच्चों वाले परिवारों को कर में छूट और सब्सिडी जैसे प्रोत्साहन दे रही है। पोलैंड में दो या अधिक बच्चों वाले परिवारों को प्रति बच्चे 500 ज्लाटी (101) का मासिक भुगतान किया जाता है।अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप महिलाओं को बच्चे पैदा करने के लिए 5,000 डलर भुगतान करने का प्रस्ताव दे रहे हैं। उनका यह प्रस्ताव मेक अमेरिका ग्रेट अगेन को बढ़ावा देने से जुड़ा है। एलन मस्क और दूसरे लोगों ने भी इसका समर्थन किया है। इस प्रयास का मकसद महिलाओं को बड़े परिवार के लिए प्रेरित करना है।विश्व में प्रोनैटलिज्म की नीतियों का प्रभाव मिश्रित रहा है। कोई भी देश जन्म दर में गिरावट को उलटने का आसान तरीका नहीं खोज पाया है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास, भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भाजपा की आदिवासी विरोधी मानसिकता उजागर हुई

चैतन्य वसावा की गिरफ्तारी से कांग्रेस विधायक ने दी जनआक्रोश रैली और न्याय यात्रा की चेतावनी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

डेडियापाड़ा में तालुका पंचायत की ATVT बैठक के दौरान हुए विवाद के चलते आम आदमी पार्टी (AAP) के विधायक चैतन्य वसावा की गिरफ्तारी को लेकर राजनीतिक गर्माहट बढ़ गई है। नवसारी जिले के वांसदा से कांग्रेस विधायक अनंत पटेल ने चैतन्य वसावा की गिरफ्तारी को गैरकानूनी बताया और चेतावनी दी कि यदि उन्हें रिहा नहीं किया गया तो कांग्रेस जनआक्रोश रैली और न्याय यात्रा निकालेगी। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा की आदिवासियों के प्रति विरोधी मानसिकता अब खुलकर सामने आ गई है।

डेडियापाड़ा पुलिस स्टेशन में भाजपा तालुका प्रमुख संजय वसावा पर हमले के आरोप में चैतन्य वसावा के खिलाफ मामला दर्ज हुआ था। अनंत पटेल का कहना है कि गिरफ्तारी के समय कोई FIR या वैध प्रक्रिया पूरी नहीं हुई थी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि बलात्कार के आरोपी विधायकों और धोखाधड़ी करने वाले उद्योगपतियों पर पुलिस कार्रवाई नहीं करती, लेकिन विपक्षी नेताओं पर कठोर कार्रवाई करती है।

अनंत पटेल ने भाजपा के आदिवासी नेताओं पर भी निशाना साधते हुए कहा कि वे टिकट न कट जाए इसलिए चुप बैठे हैं। उन्होंने ऐलान किया कि कांग्रेस आदिवासी कार्यकर्ताओं और चैतन्य वसावा जैसे नेताओं के साथ खड़ी है।

6 जुलाई को चैतन्य वसावा को वडोदरा सेंट्रल जेल ले जाने से पहले स्स्त्र अस्पताल लाया गया जहां उनकी मेडिकल जांच हुई। अस्पताल के बाहर बड़ी संख्या में AAP कार्यकर्ता जमा हुए और चैतन्य वसावा तुम आगे बढ़ो, हम तुम्हारे साथ हैं जैसे नारे लगाए।

गोपाल इटालिया ने कहा कि पुलिस ने 14 बिंदुओं के आधार पर 5 दिन की रिमांड मांगी है, लेकिन FIR में जो लिखा गया है, वैसी घटना हुई ही नहीं। उन्होंने कहा कि आरोपों के अनुसार गिलास फेंका गया लेकिन किसी को चोट नहीं लगी, तो फिर हत्या के प्रयास (IPC 307 या BNS 109/1) जैसी गंभीर धारा कैसे लगाई गई?

चैतन्य वसावा की पेशी के दौरान कोर्ट के बाहर वकीलों ने जबरदस्त विरोध किया। पुलिस ने सुरक्षा के नाम पर वकीलों को अंदर नहीं जाने दिया, जिस पर वकील आकाश मोदी ने जमीन पर दंडवत प्रणाम तक किया, लेकिन पुलिस ने फिर भी अनुमति नहीं दी। इससे नाराज़ होकर उन्होंने उच्च अधिकारियों को शिकायत की। नर्मदा पुलिस ने कोर्ट के बाहर कड़ा बंदोबस्त किया हुआ था।

यह मामला सिर्फ एक व्यक्ति की गिरफ्तारी का नहीं बल्कि आदिवासी अधिकार, राजनीतिक पक्षपात और लोकतांत्रिक स्वतंत्रता जैसे गंभीर सवालों से जुड़ गया है। विपक्ष इस घटना को भाजपा की नीयत और नीति पर हमला मान रहा है, जबकि पुलिस और प्रशासन इसे कानून व्यवस्था बनाए रखने की कार्रवाई बता रहे हैं।

मैं विधायक हूँ, मुझे मत सिखाओ संजय वसावा का आरोप

संजय वसावा ने कहा कि उन्होंने बैठक के दौरान चैतन्य वसावा को समझाने की कोशिश की कि महिला अधिकारी से इस तरह व्यवहार न करें। इस पर चैतन्य वसावा ने अहंकारपूर्वक कहा – मैं विधायक हूं, मुझे मत सिखाओ और फिर गिलास और फोन फेंककर हमला किया।

पूरा मामला क्या था?

नर्मदा जिले के डेडियापाड़ा में आयोजित एक ATVT (आदिवासी विकास) बैठक के दौरान विधायक चैतन्य वसावा और तालुका पंचायत अध्यक्ष संजय वसावा के बीच मारपीट हो गई थी। आरोप है कि चैतन्य वसावा ने महिला पंचायत प्रमुख को अपशब्द कहे और जब संजय वसावा ने टोका तो चैतन्य वसावा ने उन्हें मोबाइल फोन और कांच का गिलास फेंक कर मारा और गोली से उड़ा देने की धमकी दी। इसी के आधार पर FIR दर्ज हुई और गिरफ्तारी हुई।

कोर्ट के बाहर गुस्सा वकीलों और पुलिस में बहस

जब चैतन्य वसावा को कोर्ट में पेश किया गया, तो AAP नेता गोपाल इटालिया को मिलने की अनुमति नहीं मिली, जिस पर कोर्ट के बाहर वकीलों और पुलिस के बीच जोरदार बहस हुई। गोपाल इटालिया ने आरोप लगाया कि भाजपा नेताओं के लिए अलग कानून है और AAP नेताओं के लिए अलग। उन्होंने प्रांतिज के विधायक गजेन्द्र का उदाहरण देते हुए कहा कि उन पर बलात्कार का केस होने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई।

अस्पताल के पास से 7.75 लाख रुपये की शराब की खेप पकड़ी गई

2700 से अधिक बोतलें बरामद एक गिरफ्तार, मुख्य आरोपी वॉन्टेड

SMC ने अलथाण हलपति निवास में मारा छापा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर के अलथाण क्षेत्र में स्थित न्यू हलपतिवास, जो साई अस्पताल के पास है, वहां देर रात स्टेट मॉनिटरिंग सेल (स्स्ट्र) द्वारा शराबबंदी से जुड़ा एक बड़ा छापा मारा गया। इस छापे में कुल 8,10,220 रुपये का माल जब्त किया गया, जिसमें 2,769 विदेशी शराब की बोतलें/टिन शामिल हैं, जिनकी कुल कीमत 7,75,220 रुपये बताई गई है।

स्स्ट्र को अलथाण पुलिस थाना क्षेत्र के न्यू हलपतिवास, साईं अस्पताल के सामने, अलथाण, सूरत शहर में शराब की बड़ी खेप छुपाए जाने की गुप्त जानकारी मिली थी। इस सूचना के आधार पर स्स्ट्र की टीम ने छापा मारते हुए विदेशी शराब की बड़ी मात्रा, एक वाहन (कीमत 30,000) और एक मोबाइल फोन (कीमत 5,000) बरामद किया।

इस मामले में धर्मेशभाई उर्फ जग्गु अशोकभाई राठौड़ (निवासी हलपतिवास, साईं अस्पताल के सामने, अलथाण, सूरत शहर) नाम के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है, जिसे शराब के इस जखीरे का हैंडलर बताया जा रहा है। हालांकि, इस पूरे मामले का मुख्य आरोपी दिनेशभाई उर्फ दिनुभाई सुरेशभाई राठौड़ (निवासी हलपतिवास, साईं अस्पताल के सामने, अलथाण, सूरत शहर) अब भी फरार है। उसे पकड़ने के लिए पुलिस ने तेजी से कार्रवाई शुरू कर दी है। इस छापे में प्रोहिबिशन एक्ट की धाराएं 65A,E, 81, 83, 116(B), 98(2) और भारतीय न्याय संहिता -2023 की धारा 111(3)(4) के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

इस छापे में सबसे अहम और चिंता की बात यह है कि शराब की यह बड़ी खेप साईं अस्पताल जैसी संवेदनशील जगह के बिलकुल पास से बरामद हुई है। अस्पताल जैसे स्थान के पास इस तरह की अवैध गतिविधियों का चलना, कानून और व्यवस्था की स्थिति पर गंभीर सवाल खड़े करता है। एक आरोपी की गिरफ्तारी और मुख्य आरोपी के फरार होने के बीच, पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि यह शराब कहां से लाई गई और इसका नेटवर्क कितना फैला हुआ है।

गोविंदा उत्सव की तैयारियां जोरों पर

मटकी फोड़ उत्सव की तारीख तय, 136 गोविंदा मंडलों में से 96 को परमिट फॉर्म दिए

C.R.पाटिल की अध्यक्षता में बैठक आयोजित

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गोविंदा महोत्सव को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। एक महत्वपूर्ण बैठक C.R. पाटिल की अध्यक्षता में आयोजित की गई, जिसमें मटकी फोड़ उत्सव की तारीख तय की गई। इस वर्ष कुल 136 गोविंदा मंडलों ने भाग लेने के लिए आवेदन किया है, जिनमें से अब तक 96 मंडलों को परमिट फॉर्म वितरित किए जा चुके हैं। आयोजन को लेकर सुरक्षा, व्यवस्था और अनुशासन से जुड़े सभी पहलुओं पर बैठक में चर्चा की गई।

जन्माष्टमी का पवित्र त्योहार नज़दीक आते ही सूरत शहर में गोविंदा उत्सव की तैयारियाँ ज़ोर-शोर से शुरू हो गई हैं। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी.आर. पाटिल की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें आगामी गोविंदा उत्सव के लिए मटकी फोड़ कार्यक्रम की तारीख 16 अगस्त 2025, शनिवार तय की गई। इस बैठक में शहर के 136 गोविंदा मंडलों में से 96 मंडलों को मटकी फोड़ कार्यक्रम के परमिट फॉर्म वितरित किए गए।

सूरत में 96 मंडलों को परमिट फॉर्म दिए गए सूरत शहर गोविंदा उत्सव समिति द्वारा केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी.आर. पाटिल की अध्यक्षता में अंबानगर-9, सुसायो सर्कल, मंडलों में से 96 मंडलों को कार्यक्रम के परमिट फॉर्म दिए गए।

250 से अधिक गोविंदा मंडलों के प्रमुख रहे उपस्थित इस बैठक में लगभग 250 गोविंदा मंडलों के प्रमुखों ने भाग लिया, जिससे यह स्पष्ट

होता है कि इस वर्ष उत्सव को लेकर लोगों में भारी उत्साह है। इस मौके पर पूर्व उपप्रमुख छोटूभाई पाटिल, कॉर्पोरेटर कुणालभाई सेलार, सूरत शहर गोविंदा उत्सव समिति के अध्यक्ष गणेशभाई,और अन्य प्रमुख पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

अब पूरा सूरत शहर 16 अगस्त 2025 को होने वाले भव्य मटकी फोड़ कार्यक्रम का उत्सुकता से इंतजार कर रहा है।

सूरत में यह बैठक आयोजित की गई। बैठक की शुरुआत अहमदाबाद में हुए विमान हादसे में मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए दो मिनट के मौन के साथ की गई।

इसके बाद सर्वसम्मति से यह तय किया गया कि गोविंदा उत्सव का भव्य मटकी फोड़ कार्यक्रम 16 अगस्त 2025, शनिवार को आयोजित किया जाएगा।

इस अवसर पर 136 गोविंदा

पूर्णा नदी में बाढ़ ने नवसारीवासियों की नींद उड़ाई

निचले इलाकों में पानी घुसा-फर्नीचर और अनाज भीग गया, हर साल यही परेशानी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

नवसारी में कल केवल ढाई इंच बारिश हुई थी, फिर भी लोगों की नींद हराम हो गई। ऊपरवाले क्षेत्रों में भारी बारिश के चलते शहर से होकर बहने वाली पूर्णा नदी में बाढ़ आ गई। इसके कारण रात में निचले इलाकों में पानी भर गया और 15 से जाता है, और इसका सीधा असर निचले इलाकों पर पड़ता है। शहर के इन क्षेत्रों में अधिकतर दिहाड़ी मजदूरी करने वाले श्रमिक परिवार रहते हैं, जिनकी रोज की कमाई पर ही गुजारा होता है। इन गरीब परिवारों की गृहस्थी का सामान और पूरा साल भर का अनाज पानी में खराब हो गया है। प्रशासन सिर्फ खिचड़ी खिलाकर अपने कर्तव्य की इतिश्री समझ रहा है।

है। गांधी नगर सोसायटी की महिलाएं सोसायटी में जमा पानी निकालती नजर आईं। उन्होंने कहा कि हर साल नगरसेवक और पालिका की टीम निरीक्षण तो करती है लेकिन कोई ठोस कार्य नहीं करती। "हम हर साल इसी समस्या से परेशान हैं," उन्होंने कहा।

काशीवाड़ी निवासी रजियाबेन ने बताया कि बीती रात उन्होंने बच्चों के साथ सोराबबाग में रहकर रात बिताई। "हर साल हमें मजबूरी में नया फर्नीचर लेना पड़ता है क्योंकि पुराना बाढ़ में खराब हो जाता है," उन्होंने बताया। जब पूछा गया कि पानी कब निकलेगा, तो उन्होंने कहा, "अभी तो घर में घुटनों तक पानी है, शायद शाम तक निकल जाए। फिलहाल, हम बच्चे सहित सफाई कर रहे हैं।"

अधिक क्षेत्र जलमग्न हो गए। घरों में घुटनों तक पानी भरने से लोगों का फर्नीचर और पूरे साल का अनाज भीग गया, जिससे स्थानीय निवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।जब डांग, सूरत और तापी जिलों में भारी बारिश होती है, तो नवसारी जिले की लगभग सभी नदियों का जलस्तर बढ़

कीमती फर्नीचर और सालभर का अनाज बाढ़ के पानी में भीग गया है। परिवार इस चिंता में डूबा है कि आने वाले साल में क्या खाएंगे। प्रशासन की ओर से सिर्फ खाना बांटने का काम हुआ है, जबकि इन परिवारों का पूरा साल बर्बाद हो चुका है।

नवसारी शहर के शांतादेवी क्षेत्र में भी हर साल पानी भरता

लालगेट पुलिस सोती रही और SMC ने मारा छापा

जुए के अड्डे पर स्टेट मॉनिटरिंग सेल का रेड 16 जुआरी पकड़े गए, मुख्य सूत्रधार वॉन्टेड

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के लालगेट पुलिस स्टेशन क्षेत्र में चल रहे एक सक्रिय जुए के अड्डे पर स्टेट मॉनिटरिंग सेल (SMC) ने अचानक छापा मारकर 16 जुआरियों को गिरफ्तार किया है। इस रेड के बाद लालगेट पुलिस की कार्यशैली पर भी गंभीर सवाल उठे हैं, क्योंकि यह अड्डा पुलिस की जानकारी के बिना ही लंबे समय से चल रहा था।

मिली जानकारी के अनुसार, लालगेट क्षेत्र में असलम मेमन असलम मेमन फरार हो गया और उसे अब वॉन्टेड घोषित किया गया है। उसकी तलाश में पुलिस ने छानबीन तेज कर दी है।

1.78 लाख रुपये का मुद्दामाल जब्त

रेड के दौरान टीम ने:

1,11,190 नकद

9 मोबाइल फोन

जामातलाशी से 17,500

2 मोटरसाइकिल मिलाकर कुल 1,78,590 का सामान जब्त किया।

स्थानीय पुलिस की लापरवाही उजागर

इस कार्रवाई से साफ हुआ है कि

नाम का व्यक्ति इस जुए के अड्डे का संचालन कर रहा था। स्टेट मॉनिटरिंग सेल को जब इस अवैध गतिविधि की सूचना मिली, तो उन्होंने मौके पर छापा मारा और 16 लोगों को जुआ खेलते हुए रंगेहाथ पकड़ा। हालांकि, मुख्य आरोपी इलाके की पुलिस को या तो इस अवैध गतिविधि की जानकारी नहीं थी, या जानबूझकर नजरअंदाज किया जा रहा था। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि क्या पुलिस की मिलीभगत के चलते ही यह अड्डा खुलेआम संचालित हो रहा था?